7

दी नेक्स्ट पोस्ट

साप्ताहिक

3 आदमखोर भेड़िए | 5 अब बलिया पैसेंजर पलटाने की साजिश | 8 बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज में तेंदुलकर के विराट रिकार्ड को तोड़ने उतरेंगे कोहली

UPHIN51019 | वर्षः 02, अंकः 12 | पृष्ठ संख्याः 8 | मूल्यः 1.00 रू. | सोमवार 16 सितम्बर, 2024

केजरीवाल को 'सुप्रीम' राहत

- सुप्रीम कोर्ट ने केजरीवाल को दिल्ली आबकारी नीति घोटाला मामले में जमानत दी
- मामले पर सार्वजनिक बयान देने से रोका गया, पूर्व निर्धारित शर्तें भी लागू रहेंगी
- जस्टिस सूर्यकांत ने सीबीआई की गिरफ्तारी को वैध माना
- जस्टिस भुइयां ने इससे असहमति जताई गिरफ्तारी की टाइमिंग पर सवाल उठाए

103 दिन बाद जेल से बाहर आए

उन्होंने 103 दिन पहले यानी 2 जून को अंतरिम जमानत की मियाद पूरी होने के बाद सरेंडर किया था।

नई दिल्ली,एजेंसी

न्यायमूर्ति सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने पांच सितंबर को केजरीवाल की याचिकाओं पर फैसला सुरक्षित रख लिया था। सीबीआई ने इस मामले में आम आदमी पार्टी (आप) के प्रमुख को 26 जून को गिरफ्तार किया था। सुप्रीम कोर्ट से आबकारी नीति घोटाले मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जमानत मिल गई है। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को दो याचिकाओं पर फैसला सुनाया। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने आबकारी नीति भ्रष्टाचार मामले में मुख्यमंत्री केजरीवाल को नियमित जमानत देने का फैसला सुनाया। इस संबंध में न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां ने उनके फैसले पर सहमति जताई। कोर्ट ने केजरीवाल को 10 लाख रुपये के मुचलके और दो जमानत राशियों पर जमानत दी। सीबीआई की गिरफ्तारी से जुड़ी याचिका पर जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि अपीलकर्ता की गिरफ्तारी अवैध नहीं थी। ईडी मामले में केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट से 12 जुलाई को जमानत मिली थी। ऐसे में अब उनके जेल से बाहर आने का रास्ता साफ हो गया है। उन्होंने 103 दिन पहले यानी 2 जून को अंतरिम जमानत की मियाद पूरी होने के बाद सरेंडर किया था। माना जा रहा है कि वे आज ही जेल से बाहर आ सकते हैं। दरअसल, केजरीवाल ने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की ओर से दर्ज भ्रष्टाचार के मामले में अपनी गिरफ्तारी और जमानत से दिल्ली हाईकोर्ट के इनकार को चुनौती देते हुए दो अलग–अलग याचिकाएं दायर की थीं। पीठ ने पांच सितंबर को केजरीवाल की याचिकाओं पर फैसला सुरक्षित रख लिया था। सीबीआई ने इस मामले में आम आदमी पार्टी (आप) के प्रमुख को 26 जून को गिरफ्तार किया था।

जस्टिस कांत ने गिरफ्तारी को वैध माना

जस्टिस कांत ने कहा कि तर्कों के आधार पर हमने 3 प्रश्न तैयार किए हैं। क्या गिरफ्तारी अवैधता थी? क्या अपीलकर्ता को नियमित जमानत दी जानी चाहिए? क्या आरोप पत्र दाखिल करना परिस्थितियों में इतना बदलाव है कि उसे ट्रायल कोर्ट में भेजा जा सके? उन्होंने आगे कहा कि हिरासत में लिए गए व्यक्ति को गिरफ्तार करना कोई गलत बात नहीं है। हमने पाया है कि सीबीआई ने अपने आवेदन में उन कारणों को बताया है कि उन्हें क्यों ये जरूरी लगा। धारा 41ए (पपप) का कोई उल्लंघन नहीं है। हमें इस तर्क में कोई दम नहीं लगता कि सीबीआई ने धारा 41ए सीआरपीसी का अनुपालन नहीं किया।

जमानत देने का फैसला सुनाया

उन्होंने कहा कि जमानत पर हमने विचार किया है। मुद्दा स्वतंत्रता का है। लंबे समय तक कारावास आजादी से अन्याय के बराबर है। फिलहाल हमे लगता है कि केस का नतीजा जल्द निकलने की संभावना नहीं है। सबूतों और गवाहों से छेड़छाड़ को लेकर अभियोजन पक्ष की आशंकाओं पर विचार किया गया। उन्हें खारिज करते हुए हमने निष्कर्ष निकाला है कि अपीलकर्ता को जमानत दी जानी चाहिए।

कोर्ट ने कुछ शर्तें भी लगाईं

कोर्ट ने कहा कि अपीलकर्ता मामले के बारे में सार्वजनिक रूप से कोई सार्वजनिक टिप्पणी नहीं करेगा। ईडी मामले में लगाई गई शर्तें इस मामले में भी लागू होंगी। वह ट्रायल कोर्ट के साथ पूरा सहयोग करेगा।

जस्टिस भुइयां ने सीबीआई की गिरफ्तारी पर सवाल उठाए

फेसला सुनाते हुए जस्टिस भुइयां ने कहा कि गिरफ्तारी की आवश्यकता और समय पर मेरा एक निश्चित दृष्टिकोण है। इसलिए मैं इस दृष्टिकोण से सहमत हूं कि अपीलकर्ता को जमानत पर रिहा किया जाना चाहिए। ऐसा प्रतीत होता है कि ईडी मामले में अपीलकर्ता को नियमित जमानत दिए जाने के बाद ही सीबीआई सक्रिय हुई और हिरासत की मांग की। ईडी मामले में रिहाई के समय केजरीवाल को गिरफ्तार करने की सीबीआई की जल्दबाजी समझ से परे है, जबकि 22 महीने तक उसने ऐसा कोई कदम नहीं उठाया। इस तरह की कार्रवाई गिरफ्तारी पर गंभीर प्रश्न उठाती है। न्यायमूर्ति भुइयां ने सीबीआई द्वारा केजरीवाल को गिरफ्तार किए जाने के समय पर सवाल उठाया और कहा कि एजेंसी का उद्देश्य ईडी मामले में उन्हें जमानत दिए जाने में बाधा डालना था। उन्होंने कहा कि सहयोग न करने का मतलब आत्म–दोषारोपण नहीं हो सकता। सीबीआई को ऐसी धारणा दूर करनी चाहिए कि वह पिंजरे में बंद तोता है,उसे दिखाना चाहिए कि वह पिंजरे में बंद तोता नहीं है। न्यायमूर्ति भुइयां ने कहा कि केजरीवाल के गोलमोल जवाबों का हवाला देकर सीबीआई गिरफ्तारी को उचित नहीं ठहरा सकती और हिरासत में रखे नहीं रह सकती। जब केजरीवाल को ईडी मामले में जमानत मिल गई है तो उन्हें हिरासत में रखना न्याय की दृष्टि से ठीक नहीं होगा।जहां तक गिरफ्तारी के आधारों का सवाल है तो ये गिरफ्तारी की आवश्यकता को पूरा नहीं करते हैं। सीबीआई गिरफ्तारी को उचित नहीं ठहरा सकती है और टालमटोल वाले जवाबों का हवाला देते हुए हिरासत जारी रख सकती है। आरोपी को दोषपूर्ण बयान देने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता। इन आधारों पर अपीलकर्ता को हिरासत में रखना न्याय का उपहास है, खासकर तब जब उसे अधिक कठोर पीएमएलए में जमानत दी गई है।

नीति से क्या बदला?

	पुरानी शराब नीति	नई शराब नीति
शराब दुकान	60% दुकानें सरकारी और 40% प्राइवेट थीं	100 प्रतिशत प्राइवेट हो गई
एल-1 लाइसेंस फीस	25 लाख रुपये	05 करोड़ रुपये
असर	छोटे ठेकेदारों की दुकानें बंद	बड़े शराब माफियाओं को लाइसेंस

घाटा-मुनाफे का खेल!

	पुरानी शराब नीति	नई शराब नीति
750 एमएल की एक शराब की बोतल के दाम	530 रुपये	560 रुपये
कारोबारी का मुनाफा	33.35 रुपये	363.27 रुपये
सरकार का फायदा	329.89 रुपये	3.78 रुपये

शराब घोटाले में एक्शन

- ईडी और सीबीआई दिल्ली शराब नीति में घोटाले की अलग-अलग जांच कर रही हैं।
- सीबीआई की जांच नई शराब नीति बनाते समय हुई अनियमितताओं पर केंद्रित हैं।
- ईडी नीति को बनाने और लागू करने में मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों की जांच कर रही है।

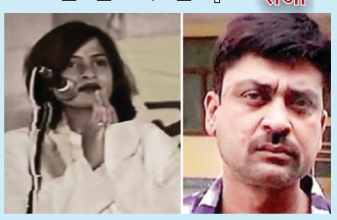

मधुमिता हत्याकांड के शूटर प्रकाश पांडे की मौत

पूर्व मंत्री अमरमणि के साथ हुई थी सजा

मधुमिता शुक्ला और शूटर प्रकाश पांडे –

गोरखपुर। लखनऊ के एक हॉस्पिटल में लिवर कैंसर से जूझ रहे प्रकाश पांडे की इलाज के दौरान मौत हो गई। रात में गोरखपुर के राजघाट में अंतिम संस्कार हुआ।

चर्चित मधुमिता हत्याकांड के शूटर प्रकाश पांडे की शुक्रवार को मौत हो गई। पूर्व मंत्री और मामले में आरोपी अमरमणि त्रिपाठी के साथ ही प्रकाश पांडेय को आजीवन कारावास की सजा हुई थी। बृहस्पतिवार को लखनऊ के एक हॉस्पिटल में लिवर कैंसर से जूझ रहे प्रकाश पांडे की इलाज के दौरान मौत हो गई। रात में गोरखपुर के राजघाट में अंतिम संस्कार हुआ। बता दें कि 9 मई 2003 में लखनऊ में मधुमिता शुक्ला की हत्या हुई थी। शाहपुर इलाके में प्रकाश पांडे का घर है।

गोरखपुर रेलवे स्टेशन देश के 'टाप 28' में

365 दिन में 1 करोड़ से अधिक यात्री पहुंचे–अब बन रहा नया भवन

गोरखपुर। सीपीआरओ पंकज कुमार सिंह ने बताया कि गोरखपुर जंक्शन से वर्ष 2023–24 में यात्रा शुरू करने वाले आरक्षित श्रेणी के यात्रियों की संख्या 53,75,937 एवं अनारक्षित श्रेणी के यात्रियों की संख्या 76,48,820 है। इस तरह यात्रियों की कुल संख्या 1,30,24,757 है। इस अवधि में आरंभिक यात्री यातायात से 591.94 करोड़ की आय हुई। पूर्वोत्तर रेलवे के मुख्यालय गोरखपुर रेलवे स्टेशन को देशभर के 28 एनएसजी–1 (गैर उपनगरीय श्रेणी) स्टेशनों में चुना गया है। इसके अलावा लखनऊ जंक्शन, बनारस, छपरा और मऊ स्टेशन एनएसजी–2 श्रेणी में चुने गए हैं। एनएसजी–3 श्रेणी में 15, एनएसजी–4 में 24, एनएसजी–5 में 78 व एनएसजी–6 श्रेणी में 187 स्टेशन शामिल हैं। वहीं हाल्ट स्टेशन में एचजी–1 श्रेणी में 4, एचजी–2 में 87 एवं एचजी–3 श्रेणी में 100 स्टेशन वर्गीकृत हैं। वर्गीकरण के आधार पर ही स्टेशनों पर सुविधाएं उपलब्ध होती हैं। सीपीआरओ पंकज कुमार सिंह ने बताया कि रेलवे स्टेशनों पर सुविधाओं के बेहतर अवस्थापन और देखरेख के लिए सरकार ने इनकी ग्रेडिंग शुरू कराई है। स्टेशन पर हर दिन आने–जाने वाले यात्रियों की संख्या, स्टेशन परिसर की सफाई, प्लेटफार्म पर मिलने वाली सुविधाओं आदि का आकलन कर एनएसजी–1 श्रेणी में स्टेशनों को चयनित किया जाता है। अगले पांच वर्ष के लिए स्टेशनों का वर्गीकरण जारी किया गया है। इसमें गोरखपुर स्टेशन को एनएसजी–1 श्रेणी में वर्गीकृत कुल 28 स्टेशनों में शामिल किया गया है।

ढह गए मकान... धंसी सड़के

आगरा। ब्रज क्षेत्र मे 24 घंटे से हो रही लगातार बारिश ने कहर बरपा दिया है। आगरा, मथुरा, मैनपुरी, एटा और फिरोजाबाद जिलों में कहीं लोगों को घर गिर गए। तो कहीं स्कूल का भवन ढह गया। पुलों पर भी दरारें आ गईं। अभी तक की जानकारी के अनुसार सात लोगों की मौत हो गई। जबकि दर्जनभर से अधिक लोग घायल हैं। आइए विस्तार से जानते हैं सब कुछ। आगरा में हो रही लगातार बारिश से लोग घरों में कैद हैं। पुराने शहर में बारिश से सात जर्जर खाली पड़े मकान गिर गए। कई मकान गिरने की हालत में हैं। लोहामंडी में दो बाइक सवार युवक नाले में बह गए। मुश्किल से उनकी जान बची। टेढ़ी बगिया क्षेत्र में नाला ढहने से सड़क किनारे खड़ा ट्रक नाले में गिर पड़ा। ट्रक चालक घायल है।

बारिश का कहर

सम्पादकीय

प्रेस कांफ्रेंस में जो कुछ कहा गया उसे लेकर कई मुद्दों पर फिर से बवाल हुआ है। टेक्सास के डलास में भारतीयों के बीच उन्होंने जो कहा था

राहुल ने बताई वस्तुस्थिति

अमेरिका में राहुल गांधी द्वारा प्रेस कांफ्रेंस में जो कुछ कहा गया उसे लेकर कई मुद्दों पर फिर से बवाल हुआ है। टेक्सास के डलास में भारतीयों के बीच उन्होंने जो कहा था, उसे लेकर गिरिराज सिंह, पूर्व मंत्री रविशंकर प्रसाद समेत तकरीबन दो दर्जन भाजपाइयों ने अपनी समझ और पार्टी लाइन के अनुसार राहुल की आलोचना कर दी है। अब वाशिंगटन डीसी में नेशनल प्रेस क्लब के सामने राहुल गांधी ने जो कुछ कहा है, उसकी आलोचना एवं तोड़–मरोड़ करने योग्य अंश निकालकर भाजपा हमलावर तो है पर राहुल द्वारा व्यक्त विचारों को सही परिप्रेक्ष्य में देखे जाने की ज़रूरत सभी को है।

अमेरिका किसी भी देश में लोकतंत्र के बनने–बिगड़ने को वैश्विक दृष्टिकोण से देखने का आदी है। राहुल ने इसी देश की अपनी पिछली यात्रा एक सांसद के रूप में की थी, तो इस बार वे वहां पर विपक्ष के नेता के तौर पर हैं। इस पद की अहमियत को भी लोकतांत्रिक रूप से सजग और परिपक्ववह देश जानता है। पहले के मुकाबले भाजपा का अधिक तिलमिलाना स्वाभाविक तो है लेकिन राहुल देश की वास्तविकताओं से वहां की प्रेस को अवगत करा चुके हैं। हालांकि जिस मंच को उन्होंने सम्बोधित किया वह कोई स्थानीय प्रेस नहीं बल्कि जैसा कि नाम से ही स्पष्ट होता है, वह अंतरराष्ट्रीय प्रेस बिरादरी है। जून, 2023 में भी वे इस मंच को सम्बोधित कर चुके थे।

पहले तो यह बात कर ली जाये कि उनके किन बयानों को भाजपा अपने पक्ष में मोड़ रही है। आरक्षण को लेकर उन्होंने जो कहा है, उसका आशय यह था कि 'जब आरक्षण खतम करने की स्थिति आयेगी, तब उस पर सोचा जायेगा।' इसे ऐसे पेश किया जा रहा है कि कांग्रेस आरक्षण खत्म करने के पक्ष में है। हालांकि उन्होंने साफ किया कि कांग्रेस आरक्षण को 50 प्रतिशत तक करना चाहती है। पाकिस्तान को लेकर पूछे गये सवाल पर उनकी लाइन वही थी जो कांग्रेस की सरकार के रहते थी।

उन्होंने कहा कि उस देश से आतंकवादी गतिविधियां संचालित होती हैं। यह सर्वविदित है और पहले से अमेरिका तक इसे कहता आया है। सरकार समर्थक मीडिया इसे मोदी के साथ राहुल का होना बतला रहा है। ऐसे ही, बांग्लादेश में हो रही हिंसा को भी उन्होंने गलत बताया है। बहुत सम्भव है कि भाजपा का आईटी सेल इसे ऐसा प्रस्तुत करे कि 'वहां के अल्पसंख्यकों (हिन्दू) के साथ हो रही हिंसा को लेकर राहुल को भी बयान देना पड़ा।' इन दोनों–तीनों बातों में दम नहीं है और बहुत भरोसे के साथ कहा जा सकता है कि राहुल के कई बयानों को जिस प्रकार से पहले तोड़ा–मरोड़ा गया था लेकिन वे प्रयास कोई कारगर नहीं हो पाये थे, उसी प्रकार यह दुष्प्रचार भी बहुत लम्बा टिकने वाला नहीं है। ऐसे एक–दो मुद्दों को छोड़ दिया जाये तो भाजपा के पास राहुल की आलोचना हेतु गिने–चुने हथियार ही रह जाते हैं। जैसे, उन्हें इस बात के लिये कोसा जाये कि उन्होंने भारत की बदनामी विदेशी धरती पर की है, आदि।

राहुल के भाषण के कंटेंट पर आयें तो कहा जा सकता है कि उन्होंने भारत में लोकतंत्र की वर्तमान हालत, उसके इस स्थिति तक पहुंचने और भविष्य की तस्वीर का खाका खींचा है। विपक्ष के नेता के तौर पर जो उनका दायित्व है, उन्होंने वह पूरा किया है। उन्होंने बतलाया कि 2014 में, यानी जब भाजपा ने केन्द्र की सरकार बनाई थी, तभी से सत्ता ने देश के लोकतांत्रिक ढांचे की नींव पर ऐसा हमला करना शुरू किया जो पहले कभी नहीं देखा गया था। उन्होंने इस बात की जानकारी दी कि किस कठिनाई से कांग्रेस ने चुनाव लड़ा था। इसके साथ ही, नरेन्द्र मोदी ने संवाद के सारे रास्ते बन्द कर दिये हैं। आम तौर पर लोकतंत्र के लिये काम करने वाले सारे संस्थान बन्द कर दिये हैं। इतना ही नहीं, विपक्ष पर हमले किये गये तथा विरोधी दलों की निर्वाचित राज्य सरकारों को मोदी ने उखाड़ फेंका है। इसलिये उन्हें 'भारत जोड़ो यात्रा' तथा 'न्याय यात्रा' निकालनी पड़ी थी। उनके पास देशवासियों से जुड़ने का एकमात्र यही रास्ता बचा रह गया था। उन्होंने माना कि यह एक कठिन लड़ाई थी जिसने उन्हें भी व्यक्तिगत रूप से बदला है।

राहुल ने ऐसी कोई नयी बात नहीं कही है। इनमें से अधिकतर बातें वे सभी जगहों पर कहते आये हैं। यह तो मोदी सरकार एवं भाजपा को सोचना होगा कि जो मुद्दे राहुल ने उठाये हैं, उन्हें तोड़–मरोड़कर जनता के सामने पेश किया जाये या देश में लोकतंत्र की स्थिति को सुधारने के लिये वह कुछ करे। हालांकि दूसरी बात की सम्भावना काफी कम है क्योंकि मोदी में न तो वह साहस है और न ही ऐसा करना उन्हें मुफ़ीद पड़ेगा। यह सवाल इसलिये उठता है क्योंकि 22 सितम्बर को मोदी खुद अमेरिका की यात्रा पर पहुंचेंगे। राहुल और मोदी दोनों की यात्राएं ऐसे वक्त पर हो रही हैं जब वहां राष्ट्रपति चुनाव काफी नज़दीक है। जिन डोनाल्ड ट्रम्प (रिपब्लिकन पार्टी) के लिये 2020 में मोदी 'अबकी बार ट्रम्प सरकार' का नारा देकर अपनी फज़ीहत करा चुके थे, वे फिर से प्रत्याशी तो हैं लेकिन उनकी विरोधी कमला हैरिस (डेमोक्रेट) लोकप्रियता व समर्थन के मामले में काफी आगे निकल चुकी हैं। उन्हें तो व्हाईट हाउस की दहलीज पर खड़ा बताया जा रहा है। संयुक्त राष्ट्र संघ की बैठक में भाग लेने जा रहे मोदी का वे सवाल पीछा करेंगे जो राहुल उनके लिये छोड़कर स्वदेश लौट रहे हैं। मोदी को राहुल के उठाये मुद्दों के जवाब देने होंगे।

श्रीलंका में 21 सितंबर को हो रहा राष्ट्रपति चुनाव भारत के लिए महत्वपूर्ण

भारत और चीन के अलावा, अमेरिका और यूरोपीय संघ सहित कई अन्य देश और ब्लाक, श्रीलंका में इसके रणनीतिक स्थान के कारण प्रभाव डालने के इच्छुक हैं

भारत और चीन के अलावा, अमेरिका और यूरोपीय संघ सहित कई अन्य देश और ब्लॉक, श्रीलंका में इसके रणनीतिक स्थान के कारण प्रभाव डालने के इच्छुक हैं। लगभग 80प्रतिशत अंतरराष्ट्रीय कार्गो इस क्षेत्र से होकर गुजरता है, और श्रीलंका में मजबूत आधार रखने वाला कोई भी व्यक्ति सत्ता समीकरणों को अपने पक्ष में झुका सकता है। श्रीलंका में 21 सितंबर, 2024 को राष्ट्रपति चुनाव होंगे, जिसमें 220 लाख की कुल आबादी में से 170 लाख लोग मतदान करेंगे। विदेशी समाचार विश्लेषकों का मानना है कि श्रीलंका 'नयी दृष्टि, साहसिक सुधार और स्थिर नेतृत्व' का चयन करेगा। कुल 38 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं, जिनमें राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे भी शामिल हैं, जो एक स्वतंत्र उम्मीदवार हैं। विक्रमसिंघे ने खाद्यान्न, ईंधन, रसोई गैस और दवा की सामान्य आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए कठोर मितव्ययिता उपाय लागू किये और करों में वृद्धि की, और उन्हें उम्मीद है कि मतदाता उन्हें देश की अर्थव्यवस्था को सामान्य स्थिति में लाने के लिए एक और मौका देंगे।

हालांकि, छह बार प्रधानमंत्री रह चुके विक्रमसिंघे को पुरानी पीढ़ी के उन राजनेताओं में से एक माना जाता है, जिन्हें मौजूदा आर्थिक गड़बड़ियों के लिए स्वयं को भी जिम्मेदार मानना चाहिए। विक्रमसिंघे के लिए मार्क्सवादी गठबंधन, नेशनल पीपुल्स पावर के नेता अनुरा कुमारा दिसानायके एक प्रमुख चुनौती बनकर उभरे हैं। एक अन्य चुनौती विक्रमसिंघे की पार्टी, यूनाइटेड पीपुल्स पावर के सजित प्रेमदासा हैं। विभाजन के बाद, प्रेमदासा, जो राष्ट्रपति विक्रमसिंघे के डिप्टी थे, अब इस पार्टी के नेता हैं। वह श्रीलंका के राष्ट्रपति चुनाव में एक और उम्मीदवार हैं। राजपक्षे वंश से, महिंद्रा राजपक्षे के बेटे नमिल राजपक्षे चुनाव लड़ रहे हैं। इन चार नेताओं में से एक के श्रीलंका के अगले राष्ट्रपति के रूप में उभरने की उम्मीद है।

जबकि इन उम्मीदवारों ने अपनी आर्थिक प्राथमिकताओं को रेखांकित किया है, सीमित संसाधनों और भारी बाहरी ऋणों के सामने पैंतरेबाज़ी के लिए सीमित जगह को देखते हुए, उनके चुनावी वायदों को शायद ही गंभीरता से लिया जाता है। जबकि दिसानायके उन युवाओं के बीच लोकप्रिय हैं जो एक कुशल और भ्रष्टाचार मुक्त सरकार चाहते हैं, प्रेमदासा अल्पसंख्यक तमिल वोटों पर भरोसा कर रहे हैं, और विक्रमसिंघे ने हाल ही में मुस्लिम वोटों पर नज़र रखते हुए एक मुस्लिम मंत्री को नियुक्त किया है। जबकि हर कोई चाहता है कि भ्रष्टाचार खत्म हो और अर्थव्यवस्था की सामान्य स्थिति बहाल हो, कोई भी केंद्रीय मुद्दा चुनाव पर हावी नहीं है।

पूर्व वित्त मंत्री एरन विक्रमरत्ने का कहना है कि श्रीलंका में सबसे बड़ी समस्या अर्थव्यवस्था नहीं बल्कि कानून के शासन की अनुपस्थिति है। 'यदि कानून का शासन कायम रहता है और हर नागरिक को लगता है कि कानून सभी पर समान रूप से लागू होता है, चाहे वह किसी भी स्थिति, शक्ति या धन का हो, तो हर नागरिक सम्मान के साथ रह सकता है। यह जानकर कि कानून काम करता है, विदेशी निवेशकों को इस देश में निवेश करने के बारे में विश्वास मिलेगा। साजिथ प्रेमदासाके एसजेबी ब्लूप्रिंट – समागी जन बलवेगया (एसजेबी) – के अनावरण के अवसर पर बोलते हुए मैंने दोहराया कि एसजेबी सरकार कानून के शासन को बनाये रखेगी और बढ़ावा देगी, अर्थव्यवस्था को वास्तविक सुधार और तीव्र विकास की ओर ले जाएगी,' उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा। श्रीलंका के सरकारी कर्मचारियों और सैन्य कर्मियों ने डाक से अपने वोट डालना शुरू कर दिया है। लगभग 700,000 सरकारी कर्मचारी वोट देने के पात्र हैं। हिंद महासागर में अपनी रणनीतिक स्थिति के कारण, अंतरराष्ट्रीय शक्तियां श्रीलंका में प्रभाव के लिए होड़ करती हैं। पड़ोसी क्षेत्रीय शक्तियां भारत और चीन अक्सर इस द्वीप राष्ट्र में प्रभाव के लिए प्रतिस्पर्धा करते देखे जाते हैं। जबकि चीन ने कई बुनियादी ढांचा परियोजनाएं बनायीं और हंबनटोटा बंदरगाह और लगभग 15,000 एकड़ जमीन 99 साल के पट्टे पर हासिल की, भारत ने आर्थिक संकट के दौरान 4अरब डॉलर से अधिक का निवेश किया ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि यह बाहरी ऋ णों, ज्यादातर चीनी के बोझ तले दब न जाये। महिंद्रा राजपक्षे (2005–2015) के शासनकाल के दौरान, श्रीलंका ने चीनी ऋणों द्वारा वित्तपोषित कई महंगी अवसंरचना परियोजनाएं शुरू कीं, जिन्हें कई लोग सफेद हाथी मानते हैं, जो किसी वास्तविक उद्देश्य की पूर्ति नहीं करते। भारत और चीन के अलावा, अमेरिका और यूरोपीय संघ सहित कई अन्य देश और ब्लॉक, श्रीलंका में इसके रणनीतिक स्थान के कारण प्रभाव डालने के इच्छुक हैं। लगभग 80प्रतिशत अंतरराष्ट्रीय कार्गो इस क्षेत्र से होकर गुजरता है, और श्रीलंका में मजबूत आधार रखने वाला कोई भी व्यक्ति सत्ता समीकरणों को अपने पक्ष में झुका सकता है। इस कारण से, अंतरराष्ट्रीय शक्तियां श्रीलंका के चुनाव पर कड़ी नज़र रखेंगी और जीतने वाले किसी भी व्यक्ति के साथ अपना प्रभाव बढ़ाने का प्रयास करेंगी।

चूंकि श्रीलंका की अर्थव्यवस्था अभी भी अनिश्चित स्थिति में है, इसलिए राष्ट्रपति चुनाव जीतने वाले किसी भी व्यक्ति को इस बारे में अधिक स्वतंत्रता नहीं है कि वे आर्थिक या अंतरराष्ट्रीय नीतियों को कैसे लागू करना चाहते हैं। श्रीलंका ऋणदाताओं और दाताओं के दबाव में रहेगा। हालांकि, एक राष्ट्रपति चुनाव जिसमें लोग निर्णायक रूप से भाग लेते हैं और चुनाव के बाद सत्ता में आने वाली सरकार के साथ जुड़े रहते हैं, देश को एकजुट रखने और विदेशी हस्तक्षेप से बचने के लिए महत्वपूर्ण है।

सीताराम येचुरी : एक महत्वपूर्ण आवाज खामोश हो गई

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के महासचिव सीताराम येचुरी नहीं रहे। 72 बरस की आयु में उन्होंने अपनी अंतिम सांस ली और इस तरह देश में लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए हमेशा तत्पर रहने वाली एक बुलंद आवाज़ शांत हो गई

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के महासचिव सीताराम येचुरी नहीं रहे। 72 बरस की आयु में उन्होंने अपनी अंतिम सांस ली और इस तरह देश में लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए हमेशा तत्पर रहने वाली एक बुलंद आवाज़ शांत हो गई। हालांकि पचास बरसों से सुदीर्घ राजनैतिक जीवन में सीताराम येचुरी जिन मूल्यों के साथ काम करते रहे, उनकी गूंज बरसों–बरस बनी रहेगी, ऐसी उम्मीद है। सीताराम येचुरी भारतीय राजनीति के उन चंद महत्वपूर्ण नामों में से एक थे, जिन्होंने संसद से सड़क तक जनता के हितों की रक्षा और संवैधानिक मूल्यों के लिए राजनीति की। श्री येचुरी के लिए राजनीति दुनिया को एक बेहतर स्थान बनाने का जरिया थी। सीताराम येचुरी एक बेहतरीन वक्ता थे और लगभग सभी दलों के साथ, वैचारिक मतभेदों के बावजूद उनके सौहाद्रपूर्ण संबंध थे। संसद में उनके भाषणों को गौर से सुना जाता था। 1974 में स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया यानी एसएफआई से उनके राजनैतिक जीवन की शुरुआत हुई, 1975 में वे सीपीएम के सदस्य बन गए।

दिल्ली के सेंट स्टीफंस कॉलेज से स्नातक करने के बाद वे आगे की पढ़ाई के लिए जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में दाखिल हुए और यहां प्रकाश करात के साथ मिलकर वामपंथ का मजबूत गढ़ बनाने का काम उन्होंने किया। 1978 में श्री येचुरी एसएफआई के संयुक्त सचिव बने और 1979 में एसएफआई के अध्यक्ष बने। वे पहले अध्यक्ष थे, जो केरल या बंगाल के बाहर से थे। सीताराम येचुरी जब जेएनयू से अर्थशास्त्र में डॉक्टरेट की पढ़ाई कर रहे थे, तभी इंदिरा गांधी सरकार ने 1975 में आपातकाल लगाया और उन्हें कई अन्य नेताओं के साथ गिरफ्तार कर लिया गया था। इस वजह से उनकी पीएचडी अधूरी रह गई। जेल से बाहर आने के बाद सीताराम येचुरी जेएनयू छात्र संघ के अध्यक्ष चुने गए। 1992 में उन्हें पोलित ब्यूरो का सदस्य चुना गया। श्री येचुरी 32 वर्षों तक सीपीएम के पोलित ब्यूरो के सदस्य रहे। 2015 में वे पार्टी के महासचिव बने और इसके बाद 2018 फिर 2022 में इसी पद के लिए फिर से चुने गए। सीताराम येचुरी 2005 से 2017 तक राज्यसभा सांसद भी रहे। अपने सुदीर्घ राजनैतिक जीवन में सीताराम येचुरी ने आपातकाल से लेकर गठबंधन सरकारों के दौर देखे। 1996 में जब संयुक्त मोर्चा सरकार बनी, तब वे उन नेताओं में शामिल थे, जिन्होंने साझा न्यूनतम कार्यक्रम का मसौदा तैयार करने में अहम भूमिका निभाई थी। दरअसल श्री येचुरी ने पार्टी के दिवंगत नेता हरकिशन सिंह सुरजीत के मार्गदर्शन में काम सीखा था, जिन्होंने गठबंधन युग की सरकार में प्रमुख भूमिका निभाई थी। उनके निर्देशन में सबसे पहले वी पी सिंह की राष्ट्रीय मोर्चा सरकार और 1996–97 की संयुक्त मोर्चा सरकार बनी, दोनों ही सरकारों को माकपा ने बाहर से समर्थन दिया था। सीताराम येचुरी ने अपने कौशल को तब और निखारा जब वामपंथी दलों ने 2004 में पहली यूपीए सरकार का समर्थन किया और अक्सर नीति–निर्माण में कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार पर दबाव डाला।

आपातकाल में जेल जाने से लेकर कांग्रेस को सरकार बनाने तक सभी तरह के राजनैतिक उतार–चढ़ाव के साक्षी सीताराम येचुरी रहे हैं। इस देश के लोगों को वह तस्वीर याद है, जब जेएनयू की चांसलर पद से इंदिरा गांधी के हटने की मांग लेकर जेएनयू के छात्र उन्हीं के आवास के बाहर पहुंचे थे। तब इंदिरा गांधी के सामने ही उनके इस्तीफे की मांग और विरोध का ज्ञापन सीताराम येचुरी ने पढ़ा था। तब इंदिरा गांधी को तानाशाह बताया जा रहा था कि लेकिन असल में वहां भारतीय लोकतंत्र की मजबूती प्रदर्शित हो रही थी। अब ऐसी तस्वीर की कल्पना भी नहीं की जा सकती। सीताराम येचुरी ने घोषित आपातकाल और अघोषित आपातकाल के फर्क को करीब से महसूस किया है। जब देश में 2014 के बाद भाजपा के बहुमत वाली सरकार के दौरान एक नये तरह की राजनीति शुरु हुई, जिसमें जनता की आवाज के लिए कोई जगह दिखाई नहीं देती है, उस पीड़ा को सीताराम येचुरी ने संसद के अपने भाषणों में व्यक्त किया। जम्मू–कश्मीर से अनुच्छेद 370 खत्म करने का फैसला हो, या नोटबंदी का आकस्मिक ऐलान हो या राम मंदिर के उद्घाटन में धर्मनिरपेक्षता की राह पर डटे रहने की प्रतिबद्धता हो, सीताराम येचुरी ने बिना किसी लाग–लपेट के भाजपा सरकार को आईना दिखाने का काम किया।

राजनीति के इस मौजूदा दौर में जब मूल्यपरक राजनीति की जरूरत पहले से कहीं अधिक महसूस की जा रही है, जब अधिनायकवाद के खतरे बढ़ रहे हैं और देश की एकता और अखंडता के नाम पर नए तरह के विचार थोपे जा रहे हैं, तब सीताराम येचुरी जैसे नेताओं की कमी बेहद खलेगी। क्योंकि सुलझे हुए, मुद्दों की जानकारी रखने वाले, संवेदनशील और बौद्धिक नेता अब गिने–चुने ही रह गए हैं। देश में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सीताराम येचुरी के निधन पर अफसोस जाहिर करते हुए बिल्कुल ठीक लिखा है कि वे आइडिया ऑफ इंडिया के संरक्षणकर्ता थे, जिन्हें देश की गहरी समझ थी। भारत के विचार, उसकी पहचान को समझने वाले सीताराम येचुरी के निधन से भारतीय राजनीति में एक ऐसी रिक्तता आ गई है, जिसे भरा जाना आसान नहीं होगा। वामपंथ के लिए भी सीताराम येचुरी का जाना अपूरणीय क्षति है, क्योंकि वैचारिक संपन्नता के साथ जनता से जुड़ी राजनीति करने का उनका कौशल अनूठा था। सीताराम येचुरी की जनहितकारी प्रतिबद्धता राजनीति में जीवित रहे, यही उन्हें सबसे बड़ी श्रद्धांजलि होगी। देशबन्धु, डीबीलाइव में 4 अगस्त को सीताराम येचुरी का साक्षात्कार प्रसारित हुआ था, जो उनका किसी चैनल को अंतिम साक्षात्कार था, इसमें सीताराम येचुरी ने देश के मौजूदा हालात पर विस्तार से अपने विचार रखे थे। आज उन्हीं विचारों को अमल में लाने की जरूरत है।

करंट लगने से दो की मौत

एक–दूसरे को बचाने के चक्कर में गई जान

संवाद न्यूज, बस्ती । खेत देखने गए दुबौलिया क्षेत्र के दो किसान अचानक करंट की चपेट में आ गए, जिससे दोनों किसानों की मौत हो गई। यह खबर सुनते ही गांव में हाहाकार मच गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार दोनों किसान आज सुबह खेत देखने के लिए गए थे विद्युत पोल में 11000 वोल्टेज बिजली का करंट उतर आया था, जिससे एक किसान इसकी चपेट में आ गया। दूसरा किसान उसे बचाने के लिए दौड़ा तो वह भी करंट की चपेट में आ गया, जिससे दोनों की मौत हो गई। दोनों परिजनों के घर का रो–रो कर बुरा हाल है। मृतकों की पहचान किशनलाल 64 वर्ष , भलाई यादव 42 वर्ष के रूप में हुई है।

'चौकी प्रभारी को निलंबित करो'

पुलिस से खफा दिव्यांग पानी की टंकी पर चढ़ा... पौने दो घंटे ड्रामा के बाद उतरा

संवाद न्यूज़ एजेंसी, लालगंज (बस्ती) ,गोरखपुर। दिव्यांग राकेश सुबह करीब 10:30 बजे लालगंज में बनी पानी की टंकी पर चढ़ गया। यह खबर आग की तरह फैल गई। जानकारी होते ही थाना प्रभारी फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गए। जानें फिर क्या हुआ।

लालगंज पुलिस चौकी प्रभारी पर पिटाई का आरोप लगा रहा दिव्यांग गुरुवार को करीब 10:30 बजे कस्बे की पानी की टंकी पर चढ़ गया। मांग करने लगा कि जब तक चौकी प्रभारी को निलंबित कर उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज नहीं की जाएगी और उसके विपक्षी पर कार्रवाई नहीं की जाएगी, तब तक वह नीचे नहीं उतरेगा। धमकी देने लगा कि अगर ऐसा नहीं हुआ तो पेट्रोल उड़ेलकर आग लगा लेगा और टंकी से कूदकर जान दे देगा।

दो घंटे तक ड्रामे के बाद वह उतरा। चौबाह गांव निवासी दिव्यांग राकेश कुमार का लालगंज पुलिस चौकी प्रभारी राम भवन प्रजापति पर आरोप है कि वह उसके शिकायती पत्र पर कार्रवाई न कर उल्टा उसे चौकी में बुलाकर मारापीटा। अपशब्द कहते हुए मोबाइल भी छीन लिया। इसे लेकर दिव्यांग राकेश सुबह करीब 10:30 बजे लालगंज में बनी पानी की टंकी पर चढ़ गया। यह खबर आग की तरह फैल गई। जानकारी होते ही थाना प्रभारी फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गए। दिव्यांग राकेश से नीचे उतर आने की गुजारिश करने लगे। ग्राम प्रधान राजू यादव, सुरेंद्र कुमार, डब्लू व अन्य संभ्रांत लोगों के बार–बार कहने पर यही कहता रहा कि थाना प्रभारी हमारी मांग को पूरा करें। काफी मान–मनौव्वल के बाद थाना प्रभारी लालगंज सुनील गौड़ ने आश्वासन दिया कि उसकी तहरीर पर कबाड़ कारोबार पर उचित कार्रवाई की जाएगी। तब जाकर करीब 11:40 बजे राकेश को नीचे उतरा।

यह है मामला

चौबाह गांव निवासी राकेश कुमार दिव्यांग है, इसकी वजह से चलने में परेशानी भी होती है। उसका कहना है कि मंगलवार को घर से जाते समय कबाड़ का काम करने वाले मनीष के रखे कबाड़ से उसे चोट लग गई। उसने रास्ते में कबाड़ रखने को लेकर आपत्ति जताई। इस पर दुकानदार ने डायल 112 पर फोन कर पुलिस को बुलाया।

पुलिस उसे चौकी पर ले आई। आरोप लगाया कि वहां पर पहले से पहुंचे कारोबारी के प्रभाव में आकर उन्हीं के सामने चौकी प्रभारी ने अपशब्द कहते हुए मारपीट कर धक्का दिया। इससे चोट आई। उसने 11 सितंबर को एसपी को प्रार्थनापत्र देकर चौकी प्रभारी राम भवन प्रजापति को निलंबित करने की मांग की थी। चौकी का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। हालांकि, अमर उजाला ऐसे किसी वीडियो की सत्यता की पुष्टि नहीं करता है।

बाढ़ ने छीना जंगल का ठौर-भोजन तो आदमखोर होने लगे भेड़िए, खा रहा बकरे का गोश्त

गोरखपुर चिड़ियाघर लाया गया भेड़िया –

आदमखोर भेड़िए

बहराइच में भेड़ियों ने उत्पात मचा रखा है और इंसानों पर हमलावर हो रहे हैं। हालांकि आमतौर पर भेड़िए आदमखोर नहल होते। जंगल की झाड़ियों या नदी के किनारों पर इनका ठिकाना होता है। बहराइच और आसपास के इलाकों में बाढ़ का पानी पहुंचने की वजह से इनका प्राकृतिक आवास बदल गया।

गोरखपुर। चिड़ियाघर के चिकित्सक डॉ. योगेश प्रताप सिंह का कहना है कि बहराइच और आसपास के इलाकों में बाढ़ का पानी पहुंचने की वजह से भेड़िए मजबूरन इंसानों की बस्ती के करीब आ गए। उन इलाकों के विशेषज्ञों से भी ऐसे ही तथ्या सामने आए हैं। प्राकृतिक आवास में इनको भोजन का संकट नहीं होता, लेकिन उसमें बदलाव के साथ ही इनके सामने भोजन का संकट खड़ा हो गया।

बाघ–तेंदुओं के डर से जंगल की ओर जाने से डरते हैं, इसलिए वे इंसानों के बीच आ गए। विशेषज्ञों की मानें तो ठौर छिन जाने और भरपेट भोजन नहीं मिलने से इनके व्यवहार में बदलाव आ गया और वे आदमखोर होने लगे हैं। इनके आदमखोर होने का पता इंसान पर हमले के 24 घंटे के भीतर सैंपल लेने पर ही पता चलता है। चिड़ियाघर के चिकित्सक डॉ. योगेश प्रताप सिंह का कहना है कि बहराइच और आसपास के इलाकों में बाढ़ का पानी पहुंचने की वजह से भेड़िए मजबूरन इंसानों की बस्ती के करीब आ गए। उन इलाकों के विशेषज्ञों से भी ऐसे ही तथ्या सामने आए हैं। प्राकृतिक आवास में इनको भोजन का संकट नहीं होता, लेकिन उसमें बदलाव के साथ ही इनके सामने भोजन का संकट खड़ा हो गया। इसकी वजह से इन्होंने पहले भेड़–बकरियों और बाद में इंसानों पर हमला शुरू कर दिया।

भेड़िया रेस्क्यू करके भेजा, इसलिए आदमखोर होने का पता लगाना मुश्किल

भेड़िए आदमखोर हैं या नहीं, इसको जांच के जरिए पता लगाया जा सकता है। इसमें भेड़िया के मल–मूत्र का विश्लेषण कर पता लगाया जाता है कि उसने मानव मांस खाया है या नहीं। इसके दांतों की जांच की जाती है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि उसने मानव हड्डियों को चबाया है या नहीं।

साथ ही डीएनए के विश्लेषण से भी पता चल जाता है कि उसने मानव मांस खाया है या नहीं। हालांकि, यह प्रक्रिया हमले के 24 घंटे के अंदर करनी होती है। गोरखपुर चिड़ियाघर में आए भेड़ियों के इंसानों पर हमले के बारे में कोई जानकारी नहीं है। साथ ही उनको कई दिनों के बाद रेस्क्यू कर चिड़ियाघर भेजा गया। ऐसे में उनकी जांच कर पाना अब मुश्किल है। चिड़ियाघर प्रबंधन का कहना है कि इस जांच के लिए कोई निर्देश भी राप्त नहीं हैं। फिलहाल यहां भेड़ियों को रखकर उनकी देखभाल करनी है।

बहराइच के आदमखोर भेड़िए को भा रहा सिर्फ बकरे का गोश्त

बहराइच से रेस्क्यू कर दो भेड़ियों को शहीद अशफाक उल्ला खां प्राणि उद्यान के रेस्क्यू सेंटर में रखा गया है। 29 अगस्त को आया नर भेड़िया अब धीरे–धीरे शांत हो रहा है। वजह यह है कि उसको शांत वातावरण मिल रहा है। साथ ही भरपेट भोजन मिल रहा है। साथ ही वह इंसानों से दूर हैं।

डॉ. योगेश ने बताया कि पहले आया भेड़िया केवल बकरे का ही गोश्त खा रहा है। प्रतिदिन उसको दो से ढाई किलो मीट दिया जा रहा है। बाकी गोश्त उसे पसंद ही नहीं आ रहा है। मादा भेड़िया को भी फिलहाल यही दिया गया है। उन्होंने बताया कि भेड़िए आमतौर पर छोटे स्तनधारी, जैसे चूहे और खरगोश, भेड़ और अन्य घरेलू मवेशी खाते हैं। इंसानों के करीब आने के बाद इन्होंने बकरे को अपना शिकार बनाना शुरू किया होगा। इसीलिए इनको उसका गोश्त पसंद आ रहा है।

पर्यटन को बढ़ावा डीएम की पहल

बखिरा में बनेगा 'टूरिस्ट फैसिलिटी सेंटर'(झील किनारे खाने–ठहरने की होगी सुविधा

संवाद न्यूज एजेंसी, संत कबीर नगर । बखिरा झील को पर्यटन के रूप में विकसित किया जा रहा है। यहां पर सोलर पैनल लगाने का कार्य हो रहा है। साथ ही सड़क का भी निर्माण हुआ है। डीएम महेंद्र सिंह तंवर ने झील को पर्यटन की दृष्टि से विकसित करने के लिए कई योजनाओं का प्रस्ताव तैयार किया है। जिनमें क्रेन रिजर्व वाटर बाडी, पाथ–वे, लाइब्रेरी, रिजॉर्ट, इंफार्मेशन सेंटर समेत अन्य कार्य होने हैं।

संतकबीरनगर के बखिरा झील में पर्यटकों को लुभाने के लिए पर्यटन सुविधा केंद्र का निर्माण हो रहा है। इस पर कुल 80 लाख रुपये खर्च होंगे। यहां पर्यटकों को ठहरने, खाने–पीने और अन्य सुविधाएं उपलब्ध होंगी। डीएम ने कार्यदायी संस्था को तीन माह में निर्माण कार्य पूरा करने के के निर्देश दिए हैं।

बखिरा झील को पर्यटन के रूप में विकसित किया जा रहा है। यहां पर सोलर पैनल लगाने का कार्य हो रहा है। साथ ही सड़क का भी निर्माण हुआ है। डीएम महेंद्र सिंह तंवर ने झील को पर्यटन की दृष्टि से विकसित करने के लिए कई योजनाओं का प्रस्ताव तैयार किया है। जिनमें क्रेन रिजर्व वाटर बाडी, पाथ–वे, लाइब्रेरी, रिजॉर्ट, इंफार्मेशन सेंटर समेत अन्य कार्य होने हैं। इसके अलावा झील की सफाई के साथ ही वोटिंग की सुविधा उपलब्ध होगी। कुल 300 करोड़ का प्रस्ताव डीएम ने पर्यटन मंत्रालय को भेजा है। उसकी स्वीकृति का इंतजार हो रहा है। इधर डीएम की पहल पर यूपी नेडा झील के पास सोलर पैनल लगा रही है ताकि झील के किनारे लाइट की सुविधा उपलब्ध हो सके।

टूरिस्ट फैसिलिटी सेंटर के निर्माण के लिए डीएम ने अपने स्तर से पहल कर 80 लाख रुपये जारी कराया है। इससे भवन का निर्माण शुरू हो गया है। इस भवन के बनने से यहां पर पर्यटकों को रहने और खाने आदि की सुविधा मिलेगी। साथ ही इस सेंटर में दुकान का निर्माण होगा। इससे सरकार की आय भी बढ़ेगी। सेंटर का निर्माण शुरू हो गया है। इसे तीन माह में पूरा करने के निर्देश डीएम ने दिए हैं।

बारिश ने एटा में मचाई

तबाही

ग्रामीण क्षेत्रों में गिरे मकान, एक युवक की मौत

आगरा। एटा में लगातार बारिश ने लोगों को आफत में डाल दिया है। सबसे ज्यादा नुकसान देहात क्षेत्र में हो रहा है। कई स्थानों से मकान गिरने की सूचना आ रही हैं। उत्तर प्रदेश के एटा जिले में बारिश जमकर तबाही मचा रही है। पिछले 24 घंटों में आधा दर्जन से अधिक मकान ढह गए। सुबह–सुबह गांव हिम्मतपुर में मकान गिरने से युवक की मौत हो गई।

कोतवाली देहात के गांव हिम्मतपुर में मकान गिरने से युवक की मौत हो गई। वहीं रामनगर में जर्जर मकान भर भराकर गिर गया। इसमें राकेश यादव और उनकी पत्नी भूरीगंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को मेडिकल कॉलेज ले जाया गया। हालत गंभीर होने पर आगरा रेफर किया गया।

रिजोर थाना क्षेत्र के गांव सेनाकला में बारिश के भूप सिंह का मकान गिर गया। मकान गिरने से मलबे में घर गृहस्थी का सामान दब गया। हजारों के नुकसान से भूप सिंह आहत हैं। वहीं ग्राम गोबर में भारी बारिश के कारण जान मोहम्मद का मकान भी गिर गया।

सकीट थाना क्षेत्र के ग्राम नगला गंगी लगातार हो रही बारिश से अलीहसन का कच्चा मकान सुबह 10.30 करीब भरवारा कर गिरा। अलीहसन अपने परिवार के साथ अंदर बैठा हुआ था, जिसमे तीन बच्चे और पत्नी कच्चे मकान मे दब गए। मकान गिरने की आवाज सुन कर स्थानीय लोगों ने कड़ी मशक्कत से बाहर निकाला। हादसे में रूबीना पति अलीहसन गंभीर रूप से घायल हो गईं। दोनों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

अमरोहा में बारिश से गिरा मकान: मलबे में दब गए छह भाई–बहन

अमरोहा। नौगांवा सादात में बारिश के बीच एक कच्चा मकान गिर गया। इसके मलबे में छह भाई बहन दब गए। जब तक ग्रामीणों ने मलबा हटाया तब तक तीन की हालत गंभीर हो गई। अस्पताल ले जाने पर चिकित्सकों ने एक को मृत घोषित कर दिया। बारिश के चलते नौगांवा सादात के मोहल्ला नई बस्ती में कच्चा मकान भर–भरा कर गिर पड़ा। मलबे में छह भाई–बहन दब गए। पुलिस व स्थानीय लोगों ने मलबा हटाकर बच्चों को बाहर निकाला। बाद में सभी को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां डॉक्टरों ने हारिश (13) को मृतक घोषित कर दिया। जबकि, दो बहनों की हालत गंभीर बनी हुई है। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें हायर सेंटर रेफर किया गया है।प्रशासनिक अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और हादसे के बारे में जानकारी ली। हारिश पानीपत की रुई फैक्टरी में मजदूरी करने वाले शकील का बेटा है। शकील के परिवार में पत्नी शबनम और छह बच्चे हरीश (13), रहमीना (12), अलफिजा (8), सालिया (6), अदनान (4) माहिरा (2) हैं। पांच दिन पहले ही शकील मजदूरी करने के लिए पानीपत गए थे। इस दौरान उनकी पत्नी शबनम और बच्चे घर पर थे। मोहल्ले के बीचों–बीच शकील का कच्चा मकान है। बुधवार की रात से जिले में रुक–रुक कर लगातार बारिश हो रही है। जिसके चलते उनके मकान की नींव कमजोर हो गई। दस बजे शकील के सभी बच्चे घर के भीतर थे, जबकि पत्नी शबनम घर परिसर में बर्तन धुल रही थी। तभी, अचानक मकान भर–भरा कर गिर पड़ा। इस दौरान हारिश, रहमीना, अलफिजा, अदनान, सालिया और माहिरा मालबे में दब गए। मकान के गिरते ही शबनम में शोर मचा दिया।

शारदा में छोड़ा गया 3.51 लाख क्यूसेक पानी

अलर्ट जारी

बारिश से जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है। शहर के बाजार रोड, स्टेशन रोड, अशोक कालोनी, मोहल्ला डालचंद, फीलखाना समेत कई इलाकों में जलभराव हो गया।

पीलीभीत में फिर मंडराया बाढ़ का खतरा, कई गांवों में घुसा शारदा का पानी

पीलीभीत। भारी बारिश से पीलीभीत जनपद में फिर बाढ़ का खतरा मंडराने लगा है। बनबसा बैराज से शारदा नदी में 3.51 लाख क्यूसेक पानी छोड़ने से कलीनगर और पूरनपुर क्षेत्र के ट्रांस शारदा क्षेत्र में कई गांव में बाढ़ का पानी घुस गया। इससे लोगों में खलबली मच गई है। प्रशासन की ओर से लोगों को सतर्क करने के साथ निगरानी बढ़ा दी गई है। कलीनगर के नौजल्हा नंबर एक व दो गांव के अलावा चंदिया हजार क्षेत्र में शारदा का पानी पहुंच गया है। वहीं लगातार बारिश से शहर के अलावा देहात क्षेत्रों में भी जलभराव की स्थिति बन गई है।

बारिश का क्रम जारी रहा। बारिश से जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है। शहर के बाजार रोड, स्टेशन रोड, अशोक कॉलोनी, मोहल्ला डालचंद, फीलखाना समेत कई इलाकों में जलभराव हो गया। सड़कें लबालब हो गईं। लोगों का परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

शारदा नदी के किनारे रहने वालों को किया अलर्ट

पहाड़ों पर भी लगातार हो रही बारिश के बाद शारदा नदी का जलस्तर और बढ़ने की संभावना जताई जा रही है। इसको लेकर नदी के किनारे रहने वाले लोगों को अलर्ट किया गया है। चंदिया हजारा क्षेत्र में स्थित बिगड़ने की संभावना जताई जा रही है। प्रशासन और सिंचाई विभाग की टीमें भी सतर्क हो गई है।

गन्ना और धान की फसलें गिरी, किसान मायूस

बारिश से जहां खेतों में पानी भर गया, वहीं तेज हवा से गन्ने और धान की फसलें गिर गईं। फसलों को नुकसान होने से किसान चिंतित हैं। किसानों का कहना है कि अंतिम समय में फसलों का नुकसान होने से आर्थिक चोट पहुंच रही है। अगर बारिश नहीं थमी तो बहुत नुकसान होगा।

जिले भर की विद्युत व्यवस्था लड़खड़ा

बारिश से जिले भर की विद्युत व्यवस्था लड़खड़ा गई है। शहर के अधिकांश इलाकों में बृहस्पतिवार रात से आपूर्ति ठप है। इसके अलावा पूरनपुर, बिलसंडा, माधोटांडा क्षेत्र में बृहस्पतिवार शाम से ही प्रभावित हुई आपूर्ति बहाल नहीं हो सकी।

लापरवाह कर्मियों पर गाज

शिक्षक दंपती एक ही स्कूल में तैनात, पत्नी के साइन भी कर रहा था पति... दोनों निलंबित

मुरादाबाद। मुरादाबाद में ड्यूटी पर लापरवाही बरतने वाले शिक्षक दंपती को निलंबित कर दिया गया है। दोनों की ड्यूटी एक की स्कूल में थी। उधर, मुरादाबाद नगर निगम के आयुक्त दिव्यांशु पटेल ने लापरवाही के आरोप में एक लिपिक को निलंबित कर दिया है। मुरादाबाद में एक प्राथमिक विद्यालय में पति और पत्नी दोनों ही शिक्षक हैं। ऐसे में पति खुद ही अपनी पत्नी के हस्ताक्षर कर उपस्थिति लगा देता था। निरीक्षण में बीएसए ने दोनों को निलंबित कर दिया है। इसके अलावा एक अन्य प्रधानाध्यापिका के खिलाफ भी निलंबन की कार्रवाई की गई है।

मामला भगतपुर टांडा ब्लॉक का है। बृहस्पतिवार को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने दो विद्यालयों का निरीक्षण किया। कंपोजिट विद्यालय सेहल में जब बीएसए पहुंचे तो वहां पर परिसर में स्थित जर्जर भवन को बंद नहीं किया गया था। इसकी वजह से विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों के लिए भी खतरा था। इसके अलावा मध्याह्न भोजन पंजिका नहीं बनी थी और विद्यालय के अभिलेख पूर्ण नहीं थे। विद्यालय संचालन व रखरखाव में लापरवाही बरती जा रही थी। इस पर बीएसए ने प्रधानाध्यापिका शाइस्ता अंजुम को निलंबित कर दिया है।

नियमित स्कूल नहीं आती थी शिक्षिका

बीएसए प्राथमिक विद्यालय रानी नागंल में पहुंचे। यहां पर अनु और राजकुमार दोनों सहायक अध्यापक के पद पर कार्यरत हैं। इसी बात का फायदा दोनों पति पत्नी उठाते थे। पत्नी पढ़ाने के लिए नियमित स्कूल नहीं आती थीं और उनके स्थान पर राजकुमार हस्ताक्षर कर देते थे। बीएसए विमलेश कुमार का कहना है कि ग्रामीणों से जानकारी लेने पर उन्होंने यही बात बताई। इसलिए प्रथम दृष्टया अनु और राजकुमार को दोषी पाए जाने पर तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

लापरवाही में नगर निगम की लिपिक निलंबित

मुरादाबाद नगर निगम आयुक्त दिव्यांशु पटेल ने लापरवाही के आरोप में नगर निगम की एक लिपिक को निलंबित कर दिया। आरोप है कि लिपिक ने उच्चाधिकारियों को सूचित किए बिना आवंटियों का नियम विरुद्ध किराया जमा कर दिया था। चक्कर की मिलक स्थित सरकारी आवासों व अन्य लोगों द्वारा नगर निगम के भवन के किराये की धनराशि का भुगतान ऑनलाइन नगर कोष में लिपिक ज्योति चतुर्वेदी ने जमा कर लिया था। इस प्रकार के मामलों में लिपिक को बिना सक्षम अधिकारी एवं पटल लिपिक के संज्ञान में लाए रसीद नहीं काटनी चाहिए थी।

नगर आयुक्त ने लापरवाही बरतने के आरोप में लिपिक ज्योति को निलंबित कर दिया। साथ ही नगर निगम के अन्य अनुभागों में तैनात लिपिकों और कर्मचारियों अपनी कार्यशैली में सुधार लाने की हिदायत दी है। नगर निगम की संयुक्त आयुक्त निशा मिश्रा ने नगर निगम के सरकारी आवासों के आवंटनों की जांच की थी।

इस मामले में शासनादेश का उल्लंघन करने पर सपा विधायक समरपाल सिंह, पूर्व मंत्री रामेश्वर दयाल शर्मा, स्व. इंद्रमोहिनी सहित 15 लोगों के आवासों का आवंटन निरस्त कर दिया है। साथ ही 15 दिन के अंदर आवासों को खाली करने के निर्देश दिए हैं। आवंटी अब नगर निगम में किराया जमा करने की कोशिश कर रहे हैं। नगर निगम के अधिकारियों का मानना है कि किराया जमा करने पर आवंटी कोर्ट चले जाएंगे। इस कारण लिपिकों और अधिकारियों को सतर्कता बरतनी होगी।

लखनऊ में पेशी पर मौज: रील बनवा रहा कुख्यात फिरदौस

इंस्टाग्राम पर है पेज, कैंट में की थी ठेकेदार की हत्या

लखनऊ। फिरदौस को जेल की हाई सिक्योरिटी बैरक में रखा गया है। सूत्रों के मुताबिक जेल में बंद होने के बावजूद वह गैंग चला रहा है। जब भी पेशी पर आता है तो उसके गुर्गे मिलने आते हैं। वसूली की भी आशंका है। जेल में बंद होने के बाद भी कुख्यात अपराधी फिरदौस उर्फ शादाब अख्तर का दबदबा कायम है। पेशी पर वह मौज करता है। उसके साथी पहुंचते हैं। रील बनाते हैं, फोटोशूट होता है। फिर इन्हें इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया जाता है। लंबे समय से ऐसा चल रहा है। हैरानी इसकी है कि यह सब तब होता है जब फिरदौस पुलिस अभिरक्षा में होता है। कैंट में 25 जून 2022 को रेलवे ठेकेदार व बिहार के मोस्टवांटेड वीरेंद्र ठाकुर उर्फ गोरख ठाकुर (42) की हत्या कर दी गई थी। वारदात में बिहार का कुख्यात अपराधी फिरदौस भी शामिल था। पुलिस उसे गिरफ्तार नहीं कर सकी थी। 15 दिसंबर 2022 को उसने कोर्ट में सरेंडर कर दिया। तब से वह लखनऊ जिला जेल में बंद है। फिरदौस का लंबा आपराधिक इतिहास है। बिहार से लेकर यूपी तक उस पर 18 गंभीर केस हैं। बीते कुछ दिनों से उसकी कई रील और फोटो वायरल हैं। खास है कि अधिकतर रील कोर्ट परिसर के अंदर बनाई गई हैं। फिरदौस फैन क्लब व टीम फिरदौस नाम से इंस्टाग्राम पर पेज भी है, जिनमें ये रील व फोटो पोस्ट की जाती है। सूत्रों के मुताबिक सामने आईं रील व फोटो एक साल के भीतर के हैं।

सांठगांठ से चल रहा पूरा खेल

फिरदौस को जब कोर्ट लाया जाता है तो पुलिसकर्मी भी तैनात रहते हैं। रील देखने से स्पष्ट है कि उसके आने से लेकर कोर्ट परिसर में जाने और बाहर निकलने तक के वीडियो शूट किए गए। अभिरक्षा में तैनात पुलिसकर्मी न तो रोक–टोक करते हैं और न ही अपराधी की इस हरकत की उच्चाधिकारियों से शिकायत करते हैं। इससे साफ है कि सांठगांठ से अपराधी की पेशी पर मौज रहती है।

बीते 42 दिनों में 30 से अधिक पेशी

फिरदौस लगातार पेशी पर लाया जाता है। तारीख पर तारीख लगी रहती है। सूत्रों के मुताबिक बीते 42 दिनों में वह 30 से भी अधिक दिन पेशी पर आया।

बंद होने के बाद भी चला रहा गैंग

फिरदौस को जेल की हाई सिक्योरिटी बैरक में रखा गया है। सूत्रों के मुताबिक जेल में बंद होने के बावजूद वह गैंग चला रहा है। जब भी पेशी पर आता है तो उसके गुर्गे मिलने आते हैं। वसूली की भी आशंका है। फिरदौस पर जो केस दर्ज हैं, उसमें से आधे बिहार और बाकी लखनऊ के हैं। कुर्सी रोड स्थित निजी विवि का छात्र रहने के दौरान ही उसने वारदातों को अंजाम देना शुरू कर दिया था।

अब बलिया पैसेंजर पलटाने की साजिश

रेलवे ट्रैक पर तीन मीटर तक रख दी गिट्टियां... इंजन पर पथराव, तीन गिरफ्तार

वाराणसी। आरोपियों की पहचान शहर कोतवाली क्षेत्र के चक फैज छतरी निवासी दानिश अंसारी (18), सोनू कुमार (20) और आकाश कुमार (22) के रूप में हुई। गुरुवार को रेलवे मजिस्ट्रेट वाराणसी के समक्ष तीनों को पेश किया गया। कानपुर में कालिंदी एक्सप्रेस में विस्फोट करने की साजिश की घटना के बाद 10 सितंबर की रात गाजीपुर सिटी–गाजीपुर घाट स्टेशन के बीच रेलवे लाइन पर तीन मीटर तक गिट्टियां रखने और प्रयागराज–बलिया पैसेंजर के इंजन पर पथराव का मामला सामने आया है। बुधवार की रात मामले में तीन आरोपियों को आरपीएफ ने गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ के बाद तीनों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। गाजीपुर सिटी और गाजीपुर घाट स्टेशन के बीच ओवरब्रिज के नीचे रेलवे पटरी पर लगभग तीन मीटर तक गिट्टियां रख दी गईं थी। रात 9.15 बजे प्रयागराज बलिया पैसेंजर ट्रेन इन्हीं गिट्टियां से होकर गुजर गई। लोको पायलट को गिट्टियां रखने का अहसास हुआ। इसी दौरान कुछ लोगों ने ट्रेन के इंजन पर पत्थर भी मारा। लोको पायलट ने घाट स्टेशन पर पहुंचने पर जिसकी जानकारी मेमो में दिया। स्टेशन मास्टर पवन कुमार ने आरपीएफ गाजीपुर सिटी थाने में घटना के संबंध में अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा भी दर्ज कराया।

आरपीएफ ने इसकी जानकारी जनपद पुलिस के अधिकारियों को भी दी। इसके बाद पुलिस ने घटना स्थल का निरीक्षण भी किया। इधर, मामले में आरपीएफ प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार राय के नेतृत्व में टीम गठित कर कार्रवाई शुरू कर दी गई। बुधवार की रात सूचना मिली की तीन लड़के रोजाना रात 9 बजे के आसपास घटनास्थल के पास आकर बैठते हैं और नशा करते हैं। टीम तत्काल रेलवे ओवरब्रिज के पास पहुंच कर तीनों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों की पहचान शहर कोतवाली क्षेत्र के चक फैज छतरी निवासी दानिश अंसारी (18), सोनू कुमार (20) और आकाश कुमार (22) के रूप में हुई। बृहस्पतिवार को रेलवे मजिस्ट्रेट वाराणसी के समक्ष तीनों को पेश किया गया। जहां से उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

आरोपियों ने मानी गिट्टियां रखने की बात

आरपीएफ के प्रभारी निरीक्षक के मुताबिक पूछताछ में तीनों ने आरोपियों ने बताया कि कुछ दिनों से रोजाना रात 9 बजे के आसपास आकर रेलवे पटरी किनारे नशा करते थे। तीनों ने गांजे के नशे के कारण और मजा लेने के लिए पटरी पर गिट्टियां रख दी थीं और ट्रेन आने पर इंजन पर पथराव किया था।

नियमित रेलवे ट्रैक की पेट्रोलिंग हो

घटना की जानकारी होने पर जनपद पुलिस भी सक्रिय हो गई। एसपी सिटी ज्ञानेंद्र कुमार, सीओ सुधाकर पांडेय बुधवार की रात सिटी रेलवे स्टेशन स्थित आरपीएफ पोस्ट पर बैठक की। उन्होंने रेलवे ट्रैक की सुरक्षा को लेकर दिशा–निर्देश दिए। एसपी सिटी ने कहा कि रेलवे ट्रैक की सुरक्षा को लेकर गंभीरता का परिचय दिया जाए।

इसके लिए जरूरी है कि नियमित रूप से रेलवे ट्रैक की पेट्रोलिंग की जाए। यदि कहीं रेलवे ट्रैक पर कुछ रखा मिले, तो तुरंत कार्रवाई की जाए। बैठक के बाद आरपीएफ प्रभारी अमित कुमार राय के नेतृत्व में आरपीएफ जवानों ने सिटी रेलवे स्टेशन से घाट तक रेलवे ट्रैक का पेट्रोलिंग किया। साथ ही रेलवे ट्रैक के किनारे रहने वालों का सत्यापन करके सूची तैयार करने को कहा है।

आशिक को काल कर गन्ने के खेत में ले गई प्रेमिका...

हाथ-पैर बांध तीनों ने खेला खूनी खेल

मुरादाबाद। युवक की शिनाख्त उसके पैरों के लंबे अंगूठे से की गई थी। वह नौ सितंबर की शाम एक फोन आने पर अपने घर से चला गया था। वापस न आने पर परिजन उसकी तलाश में जुट गए थे। मुरादाबाद के बिलारी के सहसपुर निवासी सोनू की हत्या मामले का सनसनीखेज खुलासा हुआ है। पुलिस ने खुलासा करते हुए बताया है कि सोनू की हत्या उसकी प्रेमिका और आईटीआई छात्रा मेहनाज ने अपने भाई सद्दाम और उसके दोस्त रिजवान के साथ मिलकर की थी। सद्दाम ने पुलिस को बताया कि उसकी बहन ने नौ सितंबर की शाम सात बजे सोनू को कॉल कर रामपुर जनपद में बैरूआ पुल के पास बुला लिया। वहां कुछ ही दूर पर सद्दाम और उसका दोस्त रिजवान छिप गए थे। सोनू के पहुंचते ही मेहनाज पुल के पास से कच्चे रास्ते से होते हुए उसे गन्ने के खेत में ले गई। पीछे से सद्दाम और रिजवान भी पहुंच गए। तीनों ने मिलकर सोनू को पकड़ लिया। उसके हाथ पैर बांध कर जान ले ली।

यह है मामला

ननिहाल आए मुरादाबाद के बिलारी थाना क्षेत्र के सहसपुर गांव निवासी युवक सोनू (25) की बीते बुधवार को गर्दन काटकर हत्या कर दी गई थी। बिना सिर के शव को देखकर इलाके में सनसनी फैल गई थी। घटना स्थल का एसपी ने मुआयना किया। हत्या की सूचना पर चीखते–चिल्लाते हुए परिजन पहुंच गए थी। परिजनों ने प्रेस–प्रसंग के चलते ननिहाल पक्ष के एक परिवार पर हत्या का आरोप लगाया था। पुलिस ने बताया कि युवक की शिनाख्त उसके पैरों के लंबे अंगूठे से की गई थी। बताया गया कि मृतक सोनू सहसपुर गांव में बड़ी मस्जिद के निकट अजीम के कारखाने में रेडीमेड पेंट की सिलाई का काम करता था। परिवार में शानू के पिता साबिर के अलावा माता अनीशा, छोटा भाई शाने अली (20) और छोटी बहन मेहरीन (17) वर्ष है।

प्रेमी सोनू ने लड़की के खल्च लिए थे फोटो

पुलिस ने बृहस्पतिवार को छात्रा, उसके भाई और भाई के दोस्त को गिरफ्तार कर हत्याकांड का खुलासा कर दिया। पुलिस का दावा है कि सोनू ने छात्रा के फोटो खींच लिए थे और वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल कर रहा था। आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने मृतक सोनू का सिर बरामद कर लिया।

एक फोन आने पर घर से चला गया था प्रेमी

एसपी क्राइम सुभाष चंद्र गंगवार ने बताया कि बिलारी के सहसपुर निवासी सोनू नौ सितंबर की शाम एक फोन आने पर अपने घर से चला गया था। वापस न आने पर परिजन उसकी तलाश में जुट गए थे। पिता साबिर ने 11 सितंबर की सुबह बिलारी थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई थी। इसी बीच पुलिस को सूचना मिली कि रामपुर के सैफनी क्षेत्र के जंगल में एक युवक का सिर कटा शव मिला है। बिलारी पुलिस और सोनू के परिजन भी मौके पर पहुंच गए थे। उन्होंने मृतक की पहचान सोनू के रूप में की। सोनू के पिता साबिर ने रामपुर के सैफनी के मोहल्ला मझरा निवासी मेहनाज और उसके भाई सद्दाम पर हत्या का शक जताया था। साबिर ने पुलिस को बताया कि उसके बेटे से मेहनाज के प्रेम संबंध थे। पुलिस ने दोनों को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उन्होंने अपना गुनाह कबूल कर लिया।

प्रेमिका कर रही आईटीआई

आरोपी सद्दाम ने पुलिस पूछताछ में बताया कि उसकी बहन मेहनाज बिलारी के थांवला गांव स्थित कॉलेज से आईटीआई कर रही है। वहां सोनू से मेहनाज की जान पहचान हो गई थी। सोनू की ननिहाल उसके पड़ोस में है। एक बार सोनू ने मोबाइल से उसकी बहन को पास में बैठा कर फोटो खींच लिए थे। इन फोटो को वायरल करने की धमकी देकर सोनू उसे ब्लैकमेल कर रहा था। इससे परेशान होकर भाई–बहन ने सोनू की हत्या की साजिश रची। इस हत्याकांड में सद्दाम ने अपने एक साथी रिजवान को भी शामिल कर लिया था। पुलिस ने बृहस्पतिवार शाम तीनों को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया।

बहराइच। बहराइच जिले में हरदी थाना क्षेत्र के तीन अलग–अलग गांव में बृहस्पतिवार की देर रात भेड़ियों ने हमला कर एक बालक सहित तीन लोगों को घायल कर दिया सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र महर्षि में भर्ती कराया गया प्राथमिक इलाज के बाद सभी को मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया है हरदी थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत सिंघिया नसीरपुर निवासिनी 26 वर्षीय गुड़िया पत्नी दीपू, इसी थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत संबंध पूर्व निवासिनी मुकीमुन पत्नी हसमत अली तथा नरकोटवा गांव निवासी 6 वर्षीय ननकू पुत्र काशीराम पर बृहस्पतिवार की रात भेड़ियों ने हमला कर घायल कर दिया सूचना पर मौके पर पहुंची वन टीम ने सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र महसी में भर्ती कराया प्राथमिक इलाज के बाद डॉक्टर ने तीनों घायलों को मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया एक ही रात में तीन लोगों पर हमला होने से ग्रामीणों में दहशत फैल गई है ग्रामीण रात रात भर पहरा दे रहे हैं

दो गांव में देखे गए भेड़िए

महसी इलाके के ही ग्राम पंचायत भवानीपुर स्थित नवनिर्मित उप स्वास्थ्य केंद्र के बगल रोड पर एक साथ तीन भेड़िए देखे गए उसी के थोड़ी दूर और आगे भवानीपुर में भी एक भेड़िया देखा गया रात लगभग 10:00 भेड़ियों के दिखने से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है।

महसी इलाके के ही ग्राम पंचायत भवानीपुर स्थित नवनिर्मित उप स्वास्थ्य केंद्र के बगल रोड पर एक साथ तीन भेड़िए देखे गए। उसी के थोड़ी दूर और आगे भवानीपुर में भी एक भेड़िया देखा गया। रात लगभग दस बजे भेड़ियों के दिखने से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है।

लालू यादव की हुई एंजियोप्लास्टी

मुंबई। राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव की यहां एक अस्पताल में एंजियोप्लास्टी की गई। सूत्रों ने वृहस्पतिवार को बताया, यादव को 10 सितम्बर को यहां एशियन हार्ट इंस्टीट्यूट में भर्ती कराया गया था और बुधवार को उनकी एंजियोप्लास्टी की गई। विहार के पूर्व मुख्यमंत्री यादव (76) को एक या दो दिन में अस्पताल से छुट्टी मिलने की उम्मीद है। पूर्व केंद्रीय मंत्री यादव की वर्ष 2014 में एशियन हार्ट इंस्टीट्यूट में 'ऐआर्टिक वाल्व' वदलने की सर्जरी की गई थी। उक्त सर्जरी छह घंटे में हुई थी। यादव उस समय 66 वर्ष के थे।

असम में तीन बांग्लादेशी घुसपैठिए गिरफ्तार

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व सरमा ने कहा कि वृहस्पतिवार को असम के करीमगंज जिले में तीन वांग्लादेशी घुसपैठियों को गिरफ्तार किए जाने के वाद उन्हें उनके देश वापस भेज दिया गया है। सरमा ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया, 'भारत-वांग्लादेश सीमा पर अपनी कड़ी निगरानी जारी रखते हुए, असम पुलिस तीन वांग्लादेशी नागरिकों की पहचान करने में सफल रही और उन्हें तड़के उनके देश वापस भेज दिया।'

शेयर रिकार्ड ऊंचाई पर

मुंबई। स्थानीय शेयर वाजारों में वृहस्पतिवार को जोरदार तेजी आई और वीएसई सेंसेक्स कारोवार के दौरान पहली वार 83,000 अंक के स्तर को पार कर गया। एनएसई निफ्टी भी अपने अव तक के उच्चतम स्तर पर वंद हुआ। विश्लेषकों के अनुसार, वैश्विक वाजारों में तेजी के वीच प्रमुख कंपनियों के शेयरों में लिवाली और विदेशी पूंजी प्रवाह से वाजार में तेजी आई।

बुलडोजर से कानून को रौंदा जा रहा, इमारतों को नहीं

नई दिल्ली।

■ सुप्रीम कोर्ट ने कहा, किसी वारदात का अभियुक्त होने से सम्पत्ति को ध्वस्त नहीं किया जा सकता

आपराधिक गतिविधियों के आरोपियों के मकान पर वुलडोजर चलाने के कई राज्य सरकारों की कार्रवाई को सुप्रीम कोर्ट ने पूरी तरह गैर-कानूनी कहा है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि देश में कानून सर्वोच्च है और कानूनी प्रक्रिया का पालन किए विना वुलडोजर चलाकर इमारत को ढहाने की कार्रवाई को अदालत नजरअंदाज नहीं कर सकती। वुलडोजर से देश के कानून को रौंदा जा रहा है।

जस्टिस ऋषिकेश रॉय, सुधांशु धूलिया और एसवीएन भट्टी की वेंच ने गुजरात के खेड़ा जिले में एक शख्स के मकान को ढहाने की नगर पालिका की धमकी पर यह सख्त आदेश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि परिवार के एक सदस्य पर अपराध में शामिल होने के आरोप से फेमिली के अन्य सदस्यों का कोई लेना देना नहीं होता। वैध रूप से निर्मित इमारत को किसी भी सूरत में ढहाया नहीं जा सकता। किसी वारदात का अभियुक्त होने से सम्पत्ति को ध्वस्त नहीं किया जा सकता। किसी ने अपराध किया है या नहीं, यह सिर्फ अदालत ही तय कर सकती है। सरकार देश के कानून का पालन करने के लिए वाध्य है। कानून पर चलने वाले शासन में इस तरह की वुलडोजर की कार्रवाई के वारे में सोचा भी नहीं जा सकता।

सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात सरकार को नोटिस जारी करके चार सप्ताह में जवाव मांगा है। इस वीच, संवंधित सम्पत्ति पर यथास्थिति कायम रहेगी। जावेदली महवूवमियां सैयद की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने यह आदेश दिया। सैयद के खिलाफ एक सितम्वर को एफआईआर दर्ज की गई थी। इस पर नगर पालिका ने उसके मकान को ढहाने की धमकी दे दी। याची ने कहा कि खेड़ा के गांव कटहल की ग्राम पंचायत ने 21 अगस्त, 2004 को इस भूमि पर मकान के निर्माण की अनुमति दी थी। वह तथा उनका परिवार इस मकान में लगभग दो दशक से रह रहे हैं।

नगर पालिका की धमकी के वाद याची ने स्थानीय डीएसपी से भी शिकायत की। लेकिन जवाव न मिलने पर सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। सुप्रीम कोर्ट की एक अन्य वेंच ने दो सितम्वर को वुलडोजर के चलन पर गहरी आपत्ति जताई थी। सुप्रीम कोर्ट ने वुलडोजर की कार्रवाई को लेकर दिशा-निर्देश जारी करने की वात कही है।

मुख्यमंत्री ममता ने की इस्तीफे की पेशकश

कोलकाता केस : सीएम के साथ बैठक में फिर नहीं पहुंचे डॉक्टर

कोलकाता पश्चिम वंगाल की मुख्यमंत्री ममता वनर्जी ने वृहस्पतिवार को कहा कि वह 'लोगों की खातिर' इस्तीफा देने को तैयार है और आरजी कर वलात्कार-हत्या मामले में गतिरोध को हल करने के लिए कनिष्ठ चिकित्सकों द्वारा वातचीत करने से इनकार किए जाने पर खेद व्यक्त किया। वनर्जी ने आंदोलनकारी डॉक्टरों के वैठक के लिए आने का करीव दो घंटे तक इंतजार किया। उन्होंने कहा कि वह भी चाहती है कि पीड़िता को न्याय मिले। उन्होंने लगातार गतिरोध के लिए पश्चिम वंगाल की जनता से माफी मांगी। उन्होंने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'हमने पिछले 33 दिनों में वहुत सारी झूठी वातें और अपमान सहन किया है,' लेकिन उन्होंने प्रदर्शनकारियों को आश्वासन दिया कि काम पर न लौटकर उच्चतम न्यायालय के निर्देश का उल्लंघन करने के वावजूद वह उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं करेंगी।

कानपुर के होटल में साजिश को दिया गया फाइनल टच!

कालिंदी एक्सप्रेस पलटाने की साजिश

कानपुर (एसएनबी)। कालिंदी एक्सप्रेस को पलटाने की साजिश में जांच एजेंसी को महत्वपूर्ण जानकारी मिली है, जिसके आधार पर जांच टीम ने शहर के छह होटलों के मैनेजरों को पूछताछ के लिए उठाया है। उनसे गुप्त स्थान पर पूछताछ की जा रही है। सूत्रों के अनुसार कालिंदी को पलटाने की साजिश तो वाहर कहीं रची गयी लेकिन उसे फाइनल टच देने वाले इन्हीं होटलों में रुके थे। जांच टीम को होटल के कमरे से कोलकाता से कानपुर सेंट्रल तक का टिकट भी मिला है।

हर चार माह में बदलेंगे जिलों के प्रभारी मंत्री

■ मुख्यमंत्री ने मंत्रियों को नए सिरे से दी जिलों की जिम्मेदारी

■ मुख्यमंत्री व दोनों उप मुख्यमंत्रियों के पास 25-25 जिलों का प्रभार

लखनऊ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में वृहस्पतिवार को मंत्रिमण्डल की वैठक में दोनों उप मुख्यमंत्रियों, मंत्रियों, राज्य मंत्रियों (स्व.प्र.), राज्य मंत्रियों को उनके नये प्रभारी जिलों की जिम्मेदारी सौपी गयी। मुख्यमंत्री ने वैठक में स्वयं और अपने साथ दोनों उप मुख्यमंत्रियों को 25-25 जिलों की समीक्षा की जिम्मेदारी सौपी है। मंत्रियों के प्रभार में 4-4 माह के रोटेशन पर जिलों का प्रभार परिवर्तित होता रहेगा। मुख्यमंत्री ने सभी मंत्रिमण्डल के सदस्यों को आपसी समन्वय और संगठन को साथ लेकर चलने का आग्रह किया है। सरकार की लोक-कल्याण की नीतियों और योजनाओं को जनता तक ले जाने के आवश्यक निर्देश दिए है। आगामी 17 सितंवर को प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर स्वच्छता अभियान का शुभारम्भ होना है सभी प्रभारी मंत्री अपने-अपने प्रभार के जिलों में इस कार्यक्रम में सहभागिता सुनिश्चित करेंगे। स्वच्छता का यह अभियान जनांदोलन वने, इसके लिए सभी को मिलकर प्रयास करना होगा।

जिले के प्रभारी मंत्री के रूप में मंत्री प्रत्येक माह में कम से कम एक वार 24 घंटे के लिए अपने प्रभारी जिलों में प्रवास करेंगे। शासन से संवंधित मुद्दों को प्रभारी मंत्री कोर कमेटी से चर्चा करके प्रत्येक माह शासन में संवंधित विभाग व मुख्यमंत्री कार्यालय के सामने विस्तृत रिपोर्ट तैयार करके प्रस्तुत करेंगे।

सुजीत बने सहायक पुलिस आयुक्त कानून-व्यवस्था

लखनऊ। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ में वृहस्पतिवार को तीन सहायक पुलिस आयुक्तों को स्थानान्तरित किया गया। सहायक पुलिस आयुक्त वख्शी का तालाव को सहायक पुलिस आयुक्त कानून-व्यवस्था वनाया गया। उनके स्थान पर सहायक पुलिस आयुक्त वख्शी का तालाव ऋषभ रूनवाल को नियुक्त किया गया है। वह अभी तक सहायक पुलिस आयुक्त लखनऊ थे। इसी तरह सहायक पुलिस आयुक्त महिला अपराध/कानून-व्यवस्था/यूपी-112 अंशू जैन को सहायक पुलिस आयुक्त महिला अपराध/यूपी-112/सोशल मीडिया सेल नियुक्त किया गया है।

अपहृत युवक बरामद

रहीमाबाद-लखनऊ। उन्नाव जनपद के थाना औरास के ग्राम भुलभुलाखेड़ा अदौरा निवासी हुसैन का पुत्र रोविन (20) वुधवार देर शाम रईस मियां के मुर्गी फार्म से रुपए लेकर घर जा रहा था। रास्ते में रहीमावाद थाना क्षेत्र में लखनऊ-हरदोई वार्डर के निकट कुछ अज्ञात लोगों ने काली स्कार्पियो में जवरन उसे डालकर अपहरण कर लिया। देर रात तक जव युवक घर नही पहुंचा तो दूसरे दिन गुरुवार को परिजनों ने रिपोर्ट दर्ज कराई। दोपहर में रोविन ने अपने रिश्तेदार सुफियान को फोन कर वताया कि वह ठाकुरगंज थाना क्षेत्र के घासमंडी चौराहे पर है, परिजनों ने इसकी जानकारी रहीमावाद पुलिस को दी। परिजन व पुलिस मौके पर पहुंचे और उसे सकुशल वरामद कर लिया।

मकान से गिरकर युवक की मौत

लखनऊ। गाजीपुर के संजय गांधी पुरम निवासी अमित उपाध्याय (44) की वुधवार रात करीव 11:30 वजे दो मंजिला मकान से नीचे गिर कर मौत हो गई। वह उद्यान विभाग में ठेकेदारी के साथ निर्माण सामग्री की सप्लाई का काम करते थे। भाई अजय ने वताया कि अमित का पत्नी पल्लवी से तलाक का केस चल रहा था। भाभी भतीजे को लेकर मायके विकास नगर में रहकर गोमतीनगर के एक स्कूल में पढ़ा रही है।

सहयोग की उड़ान...

जोधपुर में हवाई करतव को एक टक निहारते रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह एवं अन्य आला अधिकारी।

पुलिस ने चार गौमांस तस्कर दबोचे

सरोजनीनगर-लखनऊ। विजनौर थाना क्षेत्र में एक सप्ताह पूर्व गोमांस से भरी एक टैक्सी लावारिस हालत में खड़ी मिली थी। टैक्सी नम्वर के आधार पर आरोपितों तक पहुंची पुलिस ने गुरुवार को उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। वीते पांच सितम्वर को थाना क्षेत्र के मवैया गांव के पास एक विक्रम टैक्सी (यूपी-32सीजेड-8178) लावारिस हालत में खड़ी थी। इस टैक्सी का एक पहिया खराव था और इसके अंदर सात वोरियों में मांस भरा हुआ था। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची विजनौर पुलिस टैक्सी को थाने ले गयी थी। थाना विजनौर के प्रभारी निरीक्षक अरविन्द सिंह राणा के मुताविक वाजारखाला थाना क्षेत्र के ऐशवाग निवासी नियासुद्दीन उर्फ शहावुद्दीन उर्फ मुन्ना, इन्दिरानगर के तकरोही में रहने वाला आकिव, मोहनलालगंज थाना क्षेत्र के जैतीखेड़ा निवासी सुरेश पासी व वाराबंकी जनपद के लोनी कटरा थाना क्षेत्र के पैगम्वरपुर में रहने वाले अवदार सिद्दीकी उर्फ फमन गोवंश का वध कर गोमांस टैम्पों में भरकर वेचने जा रहे थे, दौरान मवैया गांव के पास टैक्सी का एक पहिया खराव हो गया, आरोपित मौके पर ही टैक्सी छोड़कर फरार हो गये थे। पुलिस ने सभी आरोपितों को गुरुवार को दवोच लिया और उन्हें जेल भेज दिया।

अनुचित बयान : अखिलेश यादव को ऐसे वयान नही देने चाहिए। ऐसी वयानवाजी नही होनी चाहिए। ऐसे वयान मस्जिद के मौलानाओं पर देनी चाहिए जिनके यहां असलहे मिलते हैं। एक वार मठ मंदिरों में जाकर अखिलेश यादव जी को शिक्षा लेनी चाहिए और देखना चाहिए कि हमारे मठ मंदिर किस तरह से सनातन वैदिक हिंदू धर्म और लोगों को सनातन संस्कृति तथा संस्कारों से शिक्षित करते हैं। **महंत देव्या गिरि-मनकामेश्वर मन्दिर**

आस्था के विपरीत बयान : अखिलेश यादव द्वारा दिया गया वयान पूर्णतः सनातन धर्म हिंदू आस्था के विपरीत है। उनको इस तरह के वयान नही देने चाहिए जहां पूरे देश में करोड़ों लोगों की श्रद्धा मठ मंदिर से जुड़ी हुई है वहां पर मीठाधीश को माफिया से जोड़ना यह मठाधीशों का संतों का महंतों का अपमान है इस तरह की वयानवाजी सनातन धर्म, हिंदुत्व के खिलाफ उनकी मनोदशा को दर्शाता है। **स्वामी कौशिक चैतन्य-विन्मय अक्षय आश्रम के प्रमुख**

मठाधीश की तुलना सनातन धर्म में भगवान से की गई है : अखिलेश यादव का वयान वेहद निंदनीय है। योगी जी जिस गद्दी के पीठाधीश्वर हैं, वह वहुत पूज्यनीय है। मठाधीश तो सभी संत होते हैं, सवकी गद्दी होती है। अखिलेश का ऐसा कहना गलत वात है। मठाधीश की तुलना सनातन धर्म में भगवान से की गई है। मठाधीश को माफिया से जोड़ना निकृष्टता का परिचायक है। **महंत दुर्गा दास श्री पंचायती अखाड़ा उदासीन निर्वाण**

ईश्वर अखिलेश को सद्बुद्धि दें : मठाधीश तो वो भी हैं, राज सत्ता वो भी चलाते हैं। अखिलेश अगर कह रहे हैं कि मठाधीशों और माफिया में कोई अंतर नहीं है तो पहले वह अपने को देखें। उन्होंने क्या किया है? जिसके पिता ने कारसेवकों पर गोलियां चलवाई थीं, जिनके मंत्री श्रीराम के वारे उल्टी सीधी वातें करें। उनकी मंशा मठों के प्रति क्या होगी, यह सव समझ सकते हैं। भगवान उन्हें सद्वुद्धि दें। **महंत योगेश पुरी महाराज-श्री मन:कामेश्वर मंदिर, आगरा**

मानसिक संतुलन खो बैठे हैं अखिलेश : अखिलेश यादव मानसिक संतुलन खो वैठे हैं। जिसके पिता ने अपने शासन में अयोध्या में राम भक्तों पर गोलियां चलवाई थी। उनका रक्त वहाया। जिन्होंने मुख्तार और अतीक अहमद जैसे माफिया को गोद में विठाकर उनका संरक्षण किया, उन्हें मठाधीश और माफिया में फर्क कैसे समझ आएगा। **यमुना पुरी, सचिव श्री पंचायती अखाड़ा महा निर्वाणी**

माफिया विध्वंस और मठाधीश सर्वे भवन्तु सुखिनः का भाव रखता है : अखिलेश यादव को लुटेरों व सज्जनों में अंतर नहीं पता है। यह तुलनात्मक दृष्टिकोण से तनिक भी ठीक नहीं है। माफिया विध्वंस-असामाजिक कार्यो में शामिल होता है और मठाधीश संस्कृति वचाने के लिए सार्वभौमिक जनकल्याण में लगा रहता है। उसका प्रथम ध्येय सर्वे भवन्तु सुखिनः होता है। मठाधीश भारतीय संस्कृति का संवर्धन करते हैं। यूपी का नेतृत्व कर चुके अखिलेश यादव का यह वयान अशोभनीय है। **वरुण दास जी महराज, हनुमानगढ़ी**

अखिलेश के विरुद्ध अभियान चलाएगा संत समाज : अखिलेश यादव का वयान राजनीति में नीचता की पराकाष्ठा है। राजनीति में दुष्चरित्र व्यक्तियों को परिवार मानने वाले से और क्या अपेक्षा की जा सकती है। यह सनातन धर्म व हिंदू धर्माचार्यो से उनकी नफरत को दर्शाता है। **-स्वामी जितेंद्रानंद सरस्वती, राष्ट्रीय महामंत्री, अखिल भारतीय संत समिति**

विश्व को शिक्षित-संस्कारवान बनाते हैं मठाधीश : जिस प्रदेश में सर्वाधिक संतों के निवास हैं, वहां के पूर्व मुख्यमंत्री का यह दुर्भाग्यपूर्ण वयान है। उन्हें मठाधीश व माफिया का अंतर विल्कुल भी नही पता है। माफिया अराजकता फैलाकर समाज को पीड़ा देते हैं, जवकि मठाधीश मठ-मंदिर के माध्यम से संस्कार-संस्कृति फैलाते हैं और विश्व को शिक्षित-संस्कारवान वनाते हैं।

डॉ. देवेशाचार्य जी महाराज, हनुमानगढ़ी

फिगर फ्लान्ट करती दिखी अवनीत कौर

छोटे पर्दे से बॉलीवुड तक का सफर तय करने वाली एक्ट्रेस अवनीत कौर हमेशा बोल्ड और ग्लैमरस तस्वीरें शेयर कर सोशल मीडिया पर सुर्खियों में बनी रहती हैं। उनका हॉट लुक इंटरनेट पर शेयर होते ही वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका सिजलिंग अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं।

गणेश चतुर्थी पर पहनें बी–टाउन की हसीनाओं जैसी साड़ी

गणेश चतुर्थी का त्योहार बड़ी धूम–धाम से मनाया जाता है। आम जनता ही नहीं बल्कि बालीवुड में भी इस जश्न को बड़ी खुशी के साथ मनाते हैं। जल्दी ही गणेश चतुर्थी का त्योहार आने वाला है और ऐसे में आप अगर आउटफिट को लेकर परेशान हो रहे हैं तो आज हम आपके लिए कुछ बेस्ट आइडियाज लेकर आए हैं, जिसे पहनकर आप और भी ज्यादा खूबसूरत लगोगे।

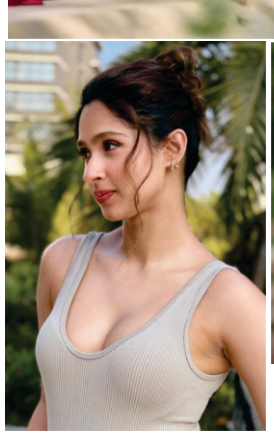

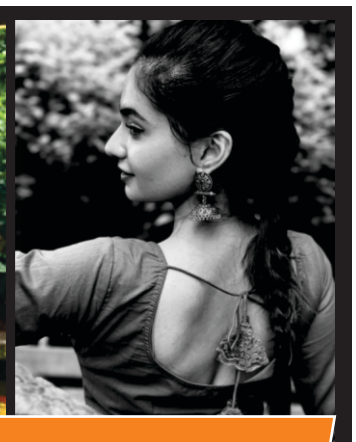

ग्लैमरस अवतार

मुम्बई। टीवी एक्ट्रेस अनुष्का सेन आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोज सोशल मीडिया पर पोस्ट कर अक्सर लोगों के बीच लाइमलाइट बटौरती रहती हैं। उनका बोल्ड लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस अनुष्का सेन ने अपने लेटेस्ट एथनिक लुक्स में कुछ फोटोज शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनकी शोख अदाएं देखकर फैंस एक बार फिर से उनकी तारीफों के पुल बांधते नहीं थक रहे हैं। एक्ट्रेस अनुष्का सेन आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं उन्होंने बेहद ही कम उम्र में अपनी एक्टिंग से लोगों के बीच अच्छी–खासी पहचान बना ली है। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनके हर एक लुक पर अपना दिल हार जाते हैं।

जब सलमान–विवेक की वजह सरेआम रोने लगी थीं ऐश्वर्या राय, बोली– 'मुझे मेरे हाल पर छोड़ दो', ऐसा क्या हुआ?

मुम्बई। ऐश्वर्या राय अपनी प्रोफेशनल लाइफ के साथ–साथ पर्सनल लाइफ को लेकर भी सुर्खियों में रहती हैं। उनका नाम कई एक्टर्स के साथ जुड़ा है जिसमें सलमान खान और विवेक ओबेरॉय शामिल हैं। एक्ट्रेस की जिंदगी में एक पल ऐसा भी आया था जब वह अफवाहों से परेशान होकर सेट पर रोने लगी थी। बॉलीवुड एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय और अभिषेक बच्चन बीते कुछ दिनों से तलाक की अफवाहों को लेकर सुर्खियों में हैं। हालांकि कपल ने अब तक इस पर चुप्पी साधी हुई है। अभिषेक बच्चन से पहले ऐश्वर्या राय सलमान खान और विवेक ओबेरॉय संग रिश्ते की वजह से काफी चर्चा में रहीं। दोनों से ब्रेकअप होन के बाद भी ऐश्वर्या को मीडिया के कई सवालों का सामना करना पड़ा था। एक बार तो एक्ट्रेस सेट पर ही सबके सामने रो पड़ी थीं।

सिंपल लहंगा पहन निकिता दत्ता ने शेयर किया हाट लुक कातिलाना अंदाज

बॉलीवुड एक्ट्रेस निकिता दत्ता आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच शेयर करती रहती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगता है। हाल ही में एक्ट्रेस निकिता दत्ता के लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरों ने इंटरनेट पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अंदाज देखकर फैंस बेकाबू हो गए हैं। देखिए एक्ट्रेस का हॉट अंदाज... एक्ट्रेस निकिता दत्ता हमेशा अपने बोल्ड और स्टनिंग अंदाज को लेकर लाइमलाइट में बनी रहती हैं। उनका बोल्ड लुक अक्सर इंटरनेट पर आतेही छा जाता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनकी हॉटनेस देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं। नकिता दत्ता ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान बेहद ही सिंपल लहंगा पहना हुआ था, जिसमें वो कैमरे के सामने कातिलाना पोज देते हुए फोटोज क्लिक करवा रही हैं। खुले बाल, कानों में इयररिंग्स और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। एक्ट्रेस की इन तस्वीरों को देखकर फैंस आहें भरते नजर आ रहे हैं।

कातिलाना अदाएं

मुम्बई। एक्ट्रेस श्वेता तिवारी हमेशा अपने खूबसूरत और बोल्ड लुक्स के कारण चर्चाओं का विषय बनी हुई रहती हैं। उनका बोल्ड लुक इंस्टाग्राम पर पोस्ट होते ही फैंस के बीच छा जाता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें अपलोड की हैं। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं।

भारतीय क्रिकेट टीम जब 19 सितंबर से बांग्लादेश के खिलाफ शुरू होने वाली टेस्ट सीरीज में उतरेगी तो सभी की निगाहें विराट कोहली पर होंगी। कोहली पहले ही टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास ले चुके हैं और इसका मतलब है कि फैंस को अब सिर्फ उन्हें दो प्रारूपों. टेस्ट और वनडे में देखने को मिलेगा। 35 साल के विराट कोहली और महान सचिन तेंदुलकर के बीच अक्सर तुलना की जाती रही है ।

बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज में तेंदुलकर के विराट रिकार्ड को तोड़ने उतरेंगे कोहली

कोहली के नाम 80 अंतरराष्ट्रीय शतक हैं और वह शतकों के मामले में तेंदुलकर 100 के बाद दूसरे स्थान पर हैं।

स्पोर्ट्स डेस्कए। विराट कोहली को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 27 हजार रन पूरे करने के लिए 58 रनों की जरूरत है। तेंदुलकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 27 हजार रन तक पहुंचने वाले सबसे तेज खिलाड़ी हैं। भारतीय क्रिकेट टीम जब 19 सितंबर से बांग्लादेश के खिलाफ शुरू होने वाली टेस्ट सीरीज में उतरेगी तो सभी की निगाहें विराट कोहली पर होंगी। कोहली पहले ही टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास ले चुके हैं और इसका मतलब है कि फैंस को अब सिर्फ उन्हें दो प्रारूपों. टेस्ट और वनडे में देखने को मिलेगा। 35 साल के विराट कोहली और महान सचिन तेंदुलकर के बीच अक्सर तुलना की जाती रही है। हालांकि कोहली ने हमेशा कहा है कि यह तुलना सही नहीं है और सचिन की किसी से तुलना नहीं की जा सकती। सचिन ने वनडे विश्व कप 2023 के दौरान वनडे करियर का 50वां शतक लगाने के बाद सचिन के सामने नतमस्तक हुए थे। कोहली के नाम 80 अंतरराष्ट्रीय शतक हैं और वह शतकों के मामले में तेंदुलकर 100 के बाद दूसरे स्थान पर हैं। हालांकिए बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज में विराट के निशाने पर सचिन का एक बड़ा रिकॉर्ड होगा।

विराट कोहली को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 27 हजार रन पूरे करने के लिए 58 रनों की जरूरत है। तेंदुलकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 27 हजार रन तक पहुंचने वाले सबसे तेज खिलाड़ी हैं। उन्होंने 623 पारियां ;226 टेस्ट पारीए 396 वनडे पारीए 1 टी20 पारीद्ध में ऐसा किया था। कोहली ने अब तक सभी प्रारूपों को मिलाकर 591 पारियों में 26ए942 रन बनाए थे। अगर कोहली अपनी अगली आठ पारियों में 58 रन और बना लेते हैं तो वह सचिन से आगे निकल जाएंगे और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे तेज 27 हजार पूरे करने वाले बल्लेबाज बन जाएंगे। इसकी बहुत संभावना भी दिखती है। विराट के पास अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के 147 साल के इतिहास में 600 से कम पारियों में 27 हजार रन तक पहुंचने वाले पहले क्रिकेटर बनने का मौका है। अब तक तेंदुलकर के अलावा ऑस्ट्रेलिया के रिकी पोंटिंग और श्रीलंका के कुमार संगकारा के नाम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 27 हजार से ज्यादा रन दर्ज हैं। इस बीच ऐसी संभावना है कि एफ्रो.एशिया कप को से आयोजित किया जा सकता है। अगर टूर्नामेंट को लेकर फैंस देखने को मिलती है और आईसीसी इस पर राजी होता है तो टूर्नामेंट को फिर से आयोजित किया जाएगा। ऐसे में फैंस मध्यक्रम में बाबर आजम के साथ विराट कोहली को या फिर जसप्रीत बुमराह के साथ शाहीन अफरीदी को गेंदबाजी करते देख सकेंगे। फोर्ब्स की एक रिपोर्ट के मुताबिकए एफ्रो.एशिया कप को फिर से कराने की संभावनाएं तलाशी जा रही हैं।

फिर के बीच दिलचस्पी

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन

खिलाड़ी	मैच	रन	उच्चतम स्कोर	औसत	100	50
सचिन तेंदुलकर	664	34357	248*	48.52	100	164
कुमार संगकारा	594	28016	319	46.77	63	153
रिकी पोंटिंग	560	27483	257	45.95	71	146
विराट कोहली	533	26942	254*	53.35	80	140
महेला जयवर्धने	652	25957	374	39.15	54	136

दूसरे दौर के लिए बीसीसीआई ने किया टीमों का एलान

स्पोर्ट्स डेस्क। इंडिया ए के कप्तान शुभमन गिल, केएल राहुल, ध्रुव जुरेल, कुलदीप यादव और आकाश दीप को बांग्लादेश के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज के लिए टीम में शामिल किया गया है। अब ये खिलाड़ी 19 सितंबर से शुरू हो रहे टेस्ट मैच की तैयारियों में जुटेंगे। दलीप ट्रॉफी 2024 के दूसरे दौर के लिए मंगलवार को चारों टीमों के स्क्वॉड की घोषणा कर दी गई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने 12 सितंबर से अनंतपुर में शुरू हो रहे मुकाबलों के लिए टीम का एलान किया है। आगामी मैचों के लिए इंडिया ए, इंडिया बी और इंडिया डी की टीम में कुछ बदलाव हुए हैं। वहीं, इंडिया सी की टीम बिना किसी बदलाव के खेलती नजर आएगी। इंडिया ए के कप्तान शुभमन गिल, केएल राहुल, ध्रुव जुरेल, कुलदीप यादव और आकाश दीप को बांग्लादेश के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज के लिए टीम में शामिल किया गया है। अब ये खिलाड़ी 19 सितंबर से शुरू हो रहे टेस्ट मैच की तैयारियों में जुटेंगे।

मयंक अग्रवाल को मिली इंडिया ए की कप्तानी

चयनकर्ताओं ने गिल की जगह प्रथम सिंह (रेलवे), केएल राहुल की जगह अक्षय वाडकर (विदर्भ) और ध्रुव जुरेल की जगह एसके रशीद (आंध्र प्रदेश) को टीम में शामिल किया है। बाएं हाथ के स्पिनर शम्स मुलानी टीम में कुलदीप की जगह लेंगे जबकि आकिब खान (यूपीसीए) टीम में आकाश दीप की जगह लेंगे। वहीं, मयंक अग्रवाल को इंडिया ए का कप्तान बनाया गया है।

लरकू लसह को मिला मौका

इंडिया बी के यशस्वी जायसवाल और ऋषभ पंत को भारतीय टीम में शामिल किया गया है। उनकी जगह चयनकर्ताओं ने क्रमशः सुयश प्रभुदेसाई और रिंकू सिंह को टीम का हिस्सा बनाया है। तेज गेंदबाज यश दयाल को पहली बार राष्ट्रीय टीम में जगह मिली है। सरफराज खान को भी भारतीय टीम में शामिल किया गया है। हालांकि, वह दूसरे दौर के मैच में खेलेंगे। हिमांशु मंत्री (मध्य प्रदेश क्रिकेट संघ) को दयाल की जगह इंडिया बी में शामिल किया गया है।

अक्षर पटेल की जगह इन्हें मिला मौका

दूसरे दौर के लिए इंडिया की टीम में भी बदलाव हुआ है। दरअसल, अक्षर पटेल को आगामी टेस्ट के लिए टीम इंडिया में चुना गया है। ऐसे में इंडिया डी में स्टार ऑलराउंडर की जगह हरियाणा के निशांत सिंधू को चुना गया है। तुषार देशपांडे चोट के कारण दूसरे दौर से बाहर हो गए हैं और उनकी जगह इंडिया ए के विद्वाथ कावरप्पा को शामिल किया जाएगा।

महिला अंडर–19 एशिया कप की होगी शुरुआत

जय शाह की अध्यक्षता वाली एशियाई क्रिकेट परिषद ने लिया अहम निर्णय

स्पोर्ट्स डेस्क। इस टूर्नामेंट का उद्देश्य एशिया की उभरती महिला क्रिकेटरों को अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रतिस्पर्धा करने का अवसर देकर महत्वपूर्ण अनुभव प्रदान करना है जिससे अंततः एशियाई टीमों को विश्व मंच पर बेहतर प्रदर्शन करने में मदद मिलेगी। जय शाह की अध्यक्षता वाली एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) ने बड़ा फैसला करते हुए बुधवार को महिला अंडर–19 टी20 एशिया कप की शुरुआत करने की घोषणा की। यह टूर्नामेंट हर दो साल में आयोजित किया जाएगा जो टी20 विश्व कप की तैयारी के लिए अहम होगा। शाह की अध्यक्षता में एसीसी के कार्यकारी बोर्ड की बैठक में यह निर्णय लिया गया।

इस टूर्नामेंट का उद्देश्य एशिया की उभरती महिला क्रिकेटरों को अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रतिस्पर्धा करने का अवसर देकर महत्वपूर्ण अनुभव प्रदान करना है जिससे अंततः एशियाई टीमों को विश्व मंच पर बेहतर प्रदर्शन करने में मदद मिलेगी। शाह हाल ही में आईसीसी के चेयरमैन निर्वाचित हुए थे और वह एक दिसंबर से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अध्यक्ष का पद संभालेंगे। शाह ने कहा, महिला अंडर–19 एशिया कप की शुरुआत एक बड़ी उपलब्धि है जो युवा महिला क्रिकेटरों को अपने कौशल को विकसित करने और अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए एक बहुत जरूरी मंच प्रदान करती है। यह पहल एशिया में महिला क्रिकेट के भविष्य को मजबूत करती है और हमें इन निर्णयों के स्थायी प्रभाव पर गर्व है, न केवल हमारे सदस्य देशों के भीतर बल्कि वैश्विक क्रिकेट समुदाय में भी।

टेस्ट रैंकिंग में हिटमैन का जलवा

शीर्ष पांच में हुई वापसी, कोहली–जायसवाल इस स्थान पर पहुंचे

स्पोर्ट्स डेस्क। भारत ने इस साल इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेली थी। इस दौरान रोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल ने दमदार प्रदर्शन किया था। दोनों जबरदस्त फॉर्म में थे। युवा बल्लेबाज ने इस सीरीज में दो शतक और तीन अर्धशतकों की मदद से 712 रन बनाए थे। वहीं, भारतीय कप्तान ने भी दो शतक लगाकर 400 रन बनाए थे। भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा की टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष पांच में वापसी हो गई है। बुधवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) की तरफ से जारी की गई टेस्ट रैंकिंग में हिटमैन ने शीर्ष पांच मे सितंबर 2021 के बाद वापसी की है। वहीं, विराट कोहली और यशस्वी जायसवाल को भी फायदा हुआ है। दोनों क्रमशः छठे और सातवें स्थान पर पहुंच गए हैं। तीनों भारतीय बल्लेबाज भारत बनाम बांग्लादेश सीरीज में अच्छे प्रदर्शन से अपनी रेटिंग में सुधार करना चाहेंगे।

रोहित, यशस्वी और विराट को हुआ फायदा

भारत ने इस साल इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेली थी। इस दौरान रोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल ने दमदार प्रदर्शन किया था। दोनों जबरदस्त फॉर्म में थे। युवा बल्लेबाज ने इस सीरीज में दो शतक और तीन अर्धशतकों की मदद से 712 रन बनाए थे। वहीं, भारतीय कप्तान ने भी दो शतक लगाकर 400 रन बनाए थे। हालांकि, विराट कोहली इस सीरीज में नहीं खेले थे।

रूट शीर्ष पर बरकरार, रेलटग में आई कमी

आईसीसी की ताजा टेस्ट रैंकिंग में श्रीलंकाई बल्लेबाजों को भी फायदा मिला है। हाल ही में इंग्लैंड और श्रीलंका के बीच तीन मैचों की टेस्ट सीरीज खेली गई थी, जिसमें श्रीलंका ने ओली पोप की अगुआई वाली टीम को हराया दिया। इस बीच जो रूट टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर बने हुए हैं, लेकिन श्रीलंका के खिलाफ तीसरे और अंतिम टेस्ट में दो बार विफल होने के बाद इंग्लैंड के पूर्व कप्तान की रेटिंग में कमी आई है। अब उनके 922 अंक से 899 अंक हो गए हैं। इससे दूसरे स्थान पर मौजूद न्यूजीलैंड के दिग्गज बल्लेबाज केन विलियमसन (859) की टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में नंबर एक बल्लेबाज बनने की राह आसान हो गई है। पाकिस्तान के दिग्गज बल्लेबाज बाबर आजम शीर्ष 10 से बाहर बने हुए हैं, जबकि विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान नौवें स्थान के साथ देश के सर्वोच्च रैंकिंग वाले बल्लेबाज बने हुए हैं।

धनंजय, मेंडिस और निसांका को हुआ फायदा

श्रीलंका के लिए कप्तान धनंजय डी सिल्वा, मध्यक्रम के बल्लेबाज कामिंदु मेंडिस और सलामी बल्लेबाज पथुम निसांका ने इंग्लैंड में दमदार प्रदर्शन किया था। टेस्ट की पहली पारी में श्रीलंका के शीर्ष स्कोरर रहे डी सिल्वा ने 69 रन की पारी खेली थी। इस पारी की बदौलत दाएं हाथ के बल्लेबाज अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग के साथ टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में तीन स्थान के फायदे से 13वें स्थान पर पहुंच गए। अब वह अपनी टीम के लिए बल्लेबाजों की सूची में शीर्ष खिलाड़ी हैं। मेंडिस और निसांका ने भी टेस्ट बल्लेबाजों की सूची में अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग हासिल की है। इंग्लैंड के खिलाफ अर्धशतकीय पारी खेलने के बाद मेंडिस छह स्थान की छलांग लगाकर 19वें स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं, निसांका 64 और नाबाद 127 रन की पारी खेलने के बाद 42 स्थान की लंबी छलांग लगाकर 39वें स्थान पर पहुंच गए।

दी नेक्स्ट पोस्ट
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला, निकट जानकी बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित। पिनः– 273003
Tital code: UPHIN51019

बृजेन्द्र कुमार
मो0. नं0. 7307180148,9170772370
Email- thenextpost01@gmail.com

नोटः– समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद-विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होगे।